

दंडी स्वामी कालिकानंद नंद जी का महाप्रयाण

सनातनी स्तंभ (दंडी स्वामी प्यारेनंद जी महाराज) को अश्रुपूरित समाधि

जबलपुर। श्री सिद्ध शक्तिपीठ कालीधाम गौरीघाट जबलपुर के संस्थापक एवं संचालक दंडी स्वामी कालिकानंद सरस्वती स्वामी प्यारेनंद जी महाराज के ब्रह्मलीन महाप्रयाण की सन्यास परम्परा के समय महामण्डलेश्वर अखिलेशवरनंद जी महाराज ने अपने विचार व्यक्त करते हुए पूज्य गुरुदेव महाराज एवं दंडी स्वामी को भारतीय संस्कृति का संरक्षक एवं सनातनी स्तंभ बताया उनका आध्यात्मिक प्रकाश और मार्ग दर्शन सदैव सभी के हृदय में जीवित रहेगा। कालीधाम परिसर से दंडी स्वामी की समाधि, देव लोक गमन यात्रा कालीधाम की परिक्रमा करती हुई कालीधाम प्रांगण पहुंची इसके उपरांत सन्यास परम्परानुसार कालीधाम के पीठाधीशवर एवं महामण्डलेश्वर डॉ स्वामी राधेचैत्यनय जी महाराज ने सन्यास परम्परा का पालन करते हुए समाधि की रस्म आचार्य पुरोहितों के वैदिक मंत्रोच्चारण के बीच सभी संत समाज की उपस्थिति में संपन्न की। इस अवसर पर पूज्य गुरूदेव जी द्वारा स्थापित हिन्दुस्तान के सभी मठों से महंतो,गुरू भाईयों की उपस्थिति उल्लेखनीय रही। इस अवसर पर संत समाज से जगतगुरू नरसिंह देवाचार्य जी, दंडी स्वामी नर्मदानंद जी महाराज (रंजीतानंद जी), जगतगुरू,बाल गोविंदा देवाचार्य जी महाराज जगतगुरू राघवदेवाचार्य जी महाराज, कालीमठ के महंत चंद्रशेखरानंद जी, रामाचार्य जी महाराज, ज्ञानेश्वरी दीदी, मैथली दीदी, पं रोहित दुबे, कालीधाम शिष्य परिवार से डी ओ पी राव, प्रदीप चौहान, अनिल उसरेटे, अजय यादव, सुशील सोनी, श्रीराम खत्री,मनीष अग्रवाल, प्रभात दुबे, पूरन सिह राजपूत, अनिल सराठे, श्रीराम शुक्ला, विवेक अवस्थी, यज्ञेश तिवारी विधायक एवं जन प्रतिनिधियों की ओर से महापौर जगतबहादुर सिंह अन्नू, अशोक रोहाणी, अभिलाष पांडे, अजय विश्नोई, संदीप जैन, रिंकू विज आदि सभी ने पूज्य गुरुदेव महाराज को अश्रुपूरित समाधि दी।

रामपुर मांडवा बस्ती में छत पर लोहे का सामान रखते समय हुआ हादसा, एक ही परिवार पर टूटा दुखों का पहाड़, निजी अस्पताल में जिंदगी की जंग लड़ रहा घायल बालक

हाईटेंशन लाइन बनी काल! करंट की चपेट में आने से मां-बेटे की मौत, 12 वर्षीय भतीजा गंभीर



हरिभूमि, जबलपुर।

शहर के गोरखपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत रामपुर मांडवा बस्ती में रविवार शाम हाईटेंशन बिजली लाइन की चपेट में आने से एक महिला और उसके जवान बेटे की दर्दनाक मौत हो गई, जबकि 12 वर्षीय भतीजा गंभीर रूप से झुलस गया। घर की छत पर लोहे का पुराना सामान रखते समय हुए इस हादसे ने परिवार की खुशियां पलभर में छीन लीं। मृतकों की पहचान सीता राजपूत (55) और उनके बेटे किशन राजपूत (23) के रूप में हुई है। घायल बालक बाबू उर्फ रियान राजपूत का निजी अस्पताल में उपचार जारी है। उसकी हालत गंभीर बताई जा रही है।

छत पर सामान रखते समय हुआ हादसा

प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, रामपुर मांडवा बस्ती निवासी देवेंद्र राजपूत के घर की छत पर रविवार शाम लोहे का पुराना सामान रखा जा रहा था। इस दौरान सीता राजपूत और उनका बेटा किशन भी छत पर मौजूद थे। इसी बीच लोहे का सामान ऊपर से गुजर रही हाईटेंशन बिजली लाइन के संपर्क में आ गया। देखते ही देखते करंट फैल गया और उसकी चपेट में आए मां-बेटे बुरी तरह झुलस गए। हादसा इतना अचानक हुआ कि दोनों को संभलने का मौका तक नहीं मिला। करंट लगने से दोनों की मौत हो गई।

भतीजा भी झुलसा, उपचार जारी

इस हादसे में परिवार का 12 वर्षीय बालक बाबू उर्फ रियान राजपूत भी करंट की चपेट में आकर गंभीर रूप से झुलस गया। घटना के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई। परिजन और आसपास के लोग तत्काल मदद के लिए दौड़े। घायल बालक को उपचार के लिए निजी अस्पताल पहुंचाया गया, जहां चिकित्सकों की निगरानी में उसका इलाज चल रहा है। एक ही परिवार के दो सदस्यों की मौत और बच्चे के गंभीर रूप से घायल होने से परिजनों पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है।

छत के ऊपर से गुजर रही लाइनें बनीं खतरा

यह हादसा घरों की छतों के बेहद करीब से गुजरने वाली हाईटेंशन बिजली लाइनों की सुरक्षा को लेकर गंभीर सवाल खड़े करता है। लोहे की लंबी वस्तुएं छत पर ले जाते या रखते समय बिजली के तारों के संपर्क में आने का खतरा बना रहता है। हाईटेंशन लाइन को सीधे छूना ही जरूरी नहीं, कई परिस्थितियों में उसके बेहद करीब पहुंचना भी जानलेवा साबित हो सकता है। रामपुर मांडवा की इस घटना ने एक परिवार को ऐसा जख्म दिया है, जिसकी भरपाई संभव नहीं। मां और बेटे की मौत से घर में मातम पसरा है, जबकि घायल बालक की जिंदगी बचाने की उम्मीद में परिजन अस्पताल में उसकी सलामती की दुआ कर रहे हैं। हादसे ने एक बार फिर स्पष्ट कर दिया है कि बिजली लाइनों के आसपास सुरक्षा मानकों का पालन और खतरनाक स्थानों पर समय रहते आवश्यक सुरक्षा उपाय करना कितना जरूरी है।

सूचना पर पहुंची पुलिस, हादसे के कारणों की जांच

घटना की सूचना मिलते ही गोरखपुर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का जायजा लिया। पुलिस ने आवश्यक कार्रवाई शुरू कर दी है। प्रारंभिक तौर पर हादसे की वजह लोहे के सामान का हाईटेंशन लाइन के संपर्क में आना बताई जा रही है। हालांकि, घटना की परिस्थितियों और अन्य पहलुओं की विस्तृत जांच के बाद ही स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

नर्मदा पंचकोशी स्वर्ण कलश की 108 परिक्रमा आज



जबलपुर। चातुर्मास विश्राम के बाद हरे कृष्णा आश्रम भेड़ाघाट में नर्मदा पंचकोशी स्वर्ण कलश की भगवान राधा कृष्णा लड्डू गोपाल तुलसी मैया की एक साथ 108 परिक्रमा संकीर्तन करते हुए आज सोमवार को शरद स्नान दान पूर्णिमा पर प्रातः 6 बजे प्रारंभ की जाएगी, कलश की यह आखिरी परिक्रमा है। संयोजक श्याम मनोहर पटेल ने बताया कि आगामी 24 नवंबर कार्तिक पूर्णिमा पर प्रातः 8:30 बजे 504वी नर्मदा पंचकोशी परिक्रमा महाकुंभ का आयोजन हरे कृष्णा आश्रम भेड़ाघाट में किया जाएगा। परिक्रमा कार्यालय का उद्घाटन चंद्रा मोटर दमोह नाका मेगा मार्ट के बाजू में संकीर्तनाचार्य सुरेश विश्वकर्मा नर्मदा चैतन्य महाप्रभु संकीर्तन मंडल के अध्यक्ष विनोद दीवान के सानिध्य में उदघाटित हुआ। इस अवसर पर नर्मदा महाआरती के संस्थापक डॉ सुधीर अग्रवाल, पंचकोशी संरक्षक सुषमा शंकर पटेल, अध्यक्ष दुर्गा पटेल, मनोज गुलाबबानी, शिव कुमार पटेल, विनोद विश्वकर्मा, कैलाश विश्वकर्मा, छन्नू राम पटेल, अशोक विश्वकर्मा, वीरेंद्र नामदेव, गणेश विश्वकर्मा, चंद्र कुमार पटेल, रवि प्रताप सिंह, मनोहर विश्वकर्मा, राजेंद्र कसेरा, गोपाल जी आदि उपस्थित रहे।

पूर्व मंत्री हरेन्द्रजीत सिंह बब्बू हुए सम्मानित



जबलपुर। जवारे विसर्जन के पावन अवसर पर सिद्ध पीठ बूढ़ी खेरमाई मंदिर परिसर में भक्ति और उत्साह का अद्भुत माहौल देखने को मिला। इस पावन अवसर पर पूर्व मंत्री हरजीत सिंह 'बब्बू' अपनी धर्मपत्नी मनमोहन कौर के साथ माता के दर्शन एवं जवारे विसर्जन समारोह में शामिल होने पहुंचे थे। मंदिर परिसर पहुँचने पर सोनू पंडा ने पूर्व मंत्री हरजीत सिंह बब्बू और मनमोहन कौर का पारंपरिक विधि-विधान एवं पुष्पमालाओं के साथ आत्मीय स्वागत किया। कार्यक्रम के दौरान कई गणमान्य नागरिक और बड़ी संख्या में स्थानीय लोग उपस्थित रहे।

वात्री साहू समाज ने मनाया शरदोत्सव



जबलपुर। शरद पूर्णिमा के अवसर पर वात्री साहू समाज द्वारा संचालित श्री जगदीश स्वामी कर्मा माई शंकर भगवान मंदिर ट्रस्ट के तत्वाधान में साहू धर्मशाला गढ़ाफाटक में शरदोत्सव मनाया गया। शरद पूर्णिमा पर भगवान श्री जगन्नाथ स्वामी, बलदाऊ जी, सुभद्रा माता का पूजन एवं आरती कर दूध पेड़े का भोग अर्पण किया गया इसके पश्चात भक्तजनों को दूध पेड़े का प्रसाद वितरित किया गया। इस अवसर पर चौधरी मुकेश साहू, मुखिया राजेंद्र मेहते, भगत रविशंकर साहू, हरीश साहू, नरेंद्र साहू, राकेश साहू, राजेश साहू पप्पू, कोठीया श्रीकान्त साहू, एड राजकुमार साहू, श्रीमती आभा दीपक साहू, पप्पी साहू, विशाल साहू, मनोहर साहू, सुभाष साहू, गुड्डा साहू, सुरेश साहू, डॉ पुरुषोत्तम साहू, रंजीत साहू, सतीश साहू के साथ बड़ी संख्या में सामाजिक जन उपस्थित थे।

उपनगर क्षेत्र रांझी में दो दिवसीय दंगल का हुआ शुभारंभ

जबलपुर। उपनगर रांझी में भारतीय पारंपरिक कुश्ती की गौरवशाली परंपरा को जीवंत करते हुए स्वर्गीय श्री गोविंद स्वामी उस्ताद की स्मृति में संजय व्यायाम शाला, सर्रापीपल रांझी, जबलपुर द्वारा दो दिवसीय पारंपरिक कुश्ती दंगल का भव्य शुभारंभ आज दिनांक 25 अक्टूबर 2026 को किया गया। 25 एवं 26 अक्टूबर को आयोजित इस दंगल में देशी कुश्ती कला के प्रदर्शन के साथ क्षेत्र में उत्साह और उल्लास का माहौल देखने को मिला। कार्यक्रम का शुभारंभ दोपहर 2 बजे रांझी की सड़कों पर निकाले गए भव्य अखाड़ा जुलूस से हुआ। जुलूस में पहलवानों द्वारा लाठी, तलवार एवं पट्टा-बिनैकी का शानदार प्रदर्शन किया गया। अखाड़ा जुलूस के दौरान विभिन्न स्थानों पर व्यापारियों एवं नागरिकों द्वारा पुष्पवर्षा एवं स्वागत कर पहलवानों का उत्साहवर्धन किया गया। पारंपरिक वेशभूषा और शौर्यपूर्ण प्रदर्शन ने रांझी की सड़कों पर भारतीय अखाड़ा संस्कृति की अद्भुत छटा बिखेर दी। इसके पश्चात संध्या 4 बजे सरस्वती शिशु मंदिर विद्यालय के समीप स्थित मैदान में कुश्ती दंगल का विधिवत शुभारंभ हुआ। दंगल में अनेक पुरुष एवं महिला पहलवानों ने भाग लेकर अपनी कुश्ती कला, शारीरिक कौशल एवं दमखम का शानदार प्रदर्शन किया। पहलवानों के रोमांचक मुकाबलों को देखने के लिए बड़ी संख्या में कुश्ती प्रेमी एवं क्षेत्रीय नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में श्री लखन घनघोरिया, विधायक एवं पूर्व मंत्री मध्य प्रदेश शासन उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता श्री सौरव शर्मा, अध्यक्ष जबलपुर जिला शहर कांग्रेस कमेटी ने की। विशिष्ट अतिथि के रूप में श्री राजेश यादव, पूर्व पार्षद गोकलपुर वार्ड उपस्थित रहे। दंगल के आयोजकों में दालचंद पहलवान, मूर्ति पहलवान एवं शिव यादव सहित कुश्ती प्रेमियों की महत्वपूर्ण भूमिका रही। कुश्ती कला के शानदार उद्घोषक सोनी मास्टर ने अपने प्रभावशाली एवं जोशीले अंदाज में पहलवानों का उत्साह बढ़ाया तथा दर्शकों को मुकाबलों से जोड़े रखा।

सिहोरा के अश्विनी कुमार पाठक को मिला डॉ. सुमित्र सृजन सम्मान

डॉ. सुमित्र का सृजन समाज की मूल धारा से जुड़ा प्रेरणादायी सृजन था



जबलपुर। पाथेय साहित्य कला अकादमी द्वारा दत्त मंदिर सभागृह में डॉ. राजकुमार सुमित्र स्मृति संगोष्ठी एवं सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में प्रतिष्ठित साहित्यकार अश्विनी कुमार पाठक, सिहोरा को डॉ. सुमित्र सृजन सम्मान तथा नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. दीप्ति पटेल को सुमित्र कविता सम्मान से सम्मानित किया गया। इस अवसर पर सामाजिक एवं सांस्कृतिक सेवाओं के लिए संस्थाओं को संस्थाश्री अलंकरण प्रदान किया गया। समारोह में अतिथियों ने डॉ. राजकुमार सुमित्र के साहित्यिक अवदान का स्मरण करते हुए कहा कि उनका सृजन समाज की मूल धारा से जुड़ा प्रेरणादायी सृजन था। उन्होंने साहित्य को सामाजिक सरोकारों, जीवन मूल्यों और सांस्कृतिक चेतना से जोड़ा। डॉ. सुमित्र ने संस्कारधानी की समृद्ध साहित्यिक परंपरा को नई ऊंचाइयां भी प्रदान कीं। उनका साहित्य समाज को सकारात्मक दिशा देने के साथ ही नई पीढ़ी को संस्कार, संवेदना और सृजनशीलता की प्रेरणा देता रहेगा। उनके नाम पर आयोजित स्मृति संगोष्ठी एवं सम्मान समारोह साहित्यिक मूल्यों और रचनात्मक परंपरा को आगे बढ़ाने का महत्वपूर्ण उपक्रम है। समारोह में विधायक अजय विश्नोई मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ. हरिशंकर दुबे ने की। विशिष्ट अतिथि रहे विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष संदीप जैन एवं पूर्व महापौर प्रभात साहू रहे। अतिथियों के साथ डॉ. हर्ष कुमार तिवारी, मोहिनी तिवारी, डॉ.कामना कौस्तुभ एवं प्रियम तिवारी ने सम्मान प्रदान किया। समारोह का संचालन कर रहे पाथेय साहित्य कला अकादमी के महासचिव राजेश पाठक प्रवीण ने सम्मानित साहित्यकारों एवं संस्थाओं के रचनात्मक योगदान पर प्रकाश डाला।

सामाजिक संस्थाओं को संस्थाश्री अलंकरण

समारोह में सामाजिक एवं सांस्कृतिक सेवाओं के लिए संस्थाओं को संस्थाश्री अलंकरण से सम्मानित किया गया। इनमें ब्राह्मण स्वयंवर संस्कार महासभा महिला प्रकोष्ठ, सर्व मंगला संस्था, कायस्थ महासभा महिला, जिला माहेश्वरी समाज, जिला साहू समाज महिला प्रकोष्ठ, सेम सीनियर सिटीजन क्लब तथा जायसवाल समाज महिला मंडल शामिल हैं। इस अवसर पर सेम सीनियर सिटीजन के कलाकारों ने सैनिक भाइयों के जीवन पर आधारित लघु नाटक प्रस्तुत किया। समारोह में प्रतुल श्रीवास्तव, राजेन्द्र मिश्रा, संतोष नेमा, यशोवर्धन पाठक, डॉ. विजय किसलय, राजेन्द्र तिवारी, राजीव गुप्ता, डॉ. अनिल कोरी, विनीता पैगवार एवं गणेश प्यासा ने स्वागत किया। इस अवसर पर अकादमी के अन्य सदस्य भी उपस्थित रहे।

जरूरतमंदों को उपयोगी सामग्री वितरित कर जनभागीदारी का संदेश दिया

जबलपुर। स्वच्छता ही सेवा 2026 अभियान के अंतर्गत नगर पालिक निगम जबलपुर की स्वच्छता टीम द्वारा संभाग क्रमांक 01 के वार्ड क्रमांक 05, सरदार वल्लभभाई पटेल वार्ड स्थित क्रेशर बस्ती में कलेक्शन ड्राइव आयोजित की गई। इस दौरान ओम साईं विजन संस्था के सहयोग से जरूरतमंदों को कपड़े, जूते, खिलौने एवं दैनिक उपयोग की अन्य उपयोगी सामग्री वितरित की गई। गतिविधि का उद्देश्य उपयोगी वस्तुओं के पुनः उपयोग को प्रोत्साहित करने के साथ जरूरतमंदों की सहायता एवं समाज में सहयोग की भावना को बढ़ावा देना रहा। इस पहल के माध्यम से नागरिकों को संदेश दिया गया कि घरों में अनुपयोगी, किंतु अच्छी स्थिति में उपलब्ध वस्तुओं को जरूरतमंदों तक पहुंचाकर संसाधनों की बर्बादी रोकी जा सकती है और पर्यावरण संरक्षण में योगदान दिया जा सकता है।

आम सूचना

मैं अपने पक्षकार के निदेशानुसार आम जनता को यह सूचित कर रहा हूँ कि मेरे पक्षकार श्रीमती राखी रिछारिया पत्नी श्री सुरेन्द्र कुमार रिछारिया द्वारा संपति जो कि मौजा-महाराजपुर सुभाष नगर, मध्य प्रदेश गृह निर्माण मण्डल कालौनी, नगर निगम न्यू वार्ड नं. 75, प्लाट क्रमांक 400, कुल रकबा 31.86 वर्ग मीटर है जिस पर आवासीय उपयोग का मकान निर्मित है, को क्रय करने का अनुबंध भूमिस्वामी श्रीमति दुर्गा रजक पत्नी श्री आशीष रजक से किया है। यह कि भूमिस्वामी श्रीमति दुर्गा रजक पत्नी श्री आशीष रजक ने उक्त संपति को पंजीकृत विक्रय पत्र दिनांक 13.09.2022 पंजीयन क्र. MP 182552022 A1940871 के माध्यम से श्री मुबारक सिंह पिता अजीत सिंह से क्रय किया है । एवं श्री मुबारक सिंह पिता अजीत सिंह ने उक्त संपति को पंजीकृत पट्टा विलेख (लीज पत्र) दिनांक 04.10.2017 पंजीयन क्र. 182552017 A1560409 के माध्यम से मध्य प्रदेश गृह निर्माण मण्डल से 30 वर्ष हेतु लीज पर प्राप्त किया था । यह कि मेरे पक्षकार उक्त संपति क्रय करने हेतु उक्त संपति को ICICI HOME FINANCE LTD. जबलपुर शाखा में सामयिक बंधक कर ऋण सुविधा प्राप्त करना चाहते है। उक्त संपति का साम्यिक बंधक हेतु पंजीकृत पट्टा विलेख (लीज पत्र) दिनांक 04.10.2017 पंजीयन क्र. 182552017A1560409 की मूल प्रति की आवश्कता है जो कि श्रीमति दुर्गा रजक पत्नी श्री आशीष रजक से गुम हो गयी है जिसकी प्राथमिक सूचना पुलिस थाना घमापुर जबलपुर में दिनांक 21.10.2026 को श्री श्रीमति दुर्गा रजक पत्नी श्री आशीष रजक द्वारा दी जा चुकी है। अतः जिस किसी व्यक्ति, संस्था, बैंक आदि को किसी प्रकार की कोई आपति हो अथवा किसी प्रकार का कोई विवाद हो तो वह प्रकाशन दिनांक से 7 दिवस के अन्दर मेरे कार्यालय में लिखित रूप में मय दस्तावेजों के साथ उपस्थित होकर प्रस्तुत करें, समय उपरांत किसी भी आपति पर विचार नहीं किया जावेगा।

जबलपुर
दिनांक: 25.10.2026
भवदीय
साकेत प्यासी (एडवोकेट)
म.प्र. हाई कोर्ट जबलपुर
ऑफिस-320, गली नं. 05, त्रिमूर्ति नगर, दमोहनाका जबलपुर
मो. नं.- 9806373695

पटवारियों की हड़ताल से प्रभावित हुआ धान पंजीयन

किसानों ने की तिथि बढ़ाने की मांग

सिहोरा। धान पंजीयन की निर्धारित तिथि समाप्त होने के बाद भी अनेक किसान अपनी उपज का पंजीयन नहीं करा सके हैं। पटवारियों की हड़ताल के कारण पंजीयन के दौरान कई किसानों के रकबे पोर्टल पर प्रदर्शित नहीं हो रहे थे। इसके चलते किसान चाहकर भी अपनी धान की उपज का पंजीयन कराने से वंचित रह गए। किसानों का कहना है कि पूर्व में धान पंजीयन की अंतिम तिथि 10 अक्टूबर निर्धारित की गई थी लेकिन पटवारियों की हड़ताल के कारण राजस्व संबंधी कार्य प्रभावित होने से अनेक किसानों को परेशानी का सामना करना पड़ा। रकबा प्रदर्शित नहीं होने के कारण वे निर्धारित समय सीमा में पंजीयन नहीं करा सके। इसका सीधा असर किसानों की उपज के समर्थन मूल्य पर विक्रय की प्रक्रिया पर पड़ सकता है। इस समस्या को देखते हुए किसान राजकुमार यादव,सेवाराम पटेल,अशोक यादव, देवेंद्र नायक,नरेंद्र त्रिपाठी,सीताराम पटेल,शीतल पटेल सहित अन्य किसानों ने राज्य सरकार से धान पंजीयन की तिथि कम से कम 3 से 5 दिन बढ़ाने की मांग की है। किसानों ने कहा कि सरकार को किसानों की समस्या को गंभीरता से लेते हुए पंजीयन का एक और अवसर प्रदान करना चाहिए ताकि रकबा संबंधी त्रुटियों को सुधारा जा सके और वंचित किसान अपनी उपज का पंजीयन करा सकें। किसानों ने शासन से मांग की है कि उनके हितों को ध्यान में रखते हुए धान पंजीयन की तिथि तत्काल बढ़ाई जाए जिससे कोई भी किसान अपनी उपज के पंजीयन से वंचित न रहे।

निःशुल्क नेत्र जांच शिविर में 48 मरीजों की हुई जांच

शैलेश्वर धाम सैलवारा में आयोजन



सिहोरा। स्व. श्रीमती शकुंतला तिवारी स्मृति सेवा समिति द्वारा स्वस्थ भारत विजन मिशन के अंतर्गत सेवा संकल्प अभियान के तहत विश्व दृष्टि दिवस एवं शरद पूर्णिमा के अवसर पर शैलेश्वर धाम सैलवारा में निःशुल्क नेत्र जांच शिविर का आयोजन परम पूज्य कैलाशवन जी महाराज का सानिध्य में किया गया। जिसका उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्र के लोगों को नेत्र संबंधी बीमारियों के प्रति जागरूक करना तथा जरूरतमंद मरीजों को निःशुल्क स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराना था। शिविर में 48 मरीजों के नेत्र जांच के साथ ब्लड प्रेशर (बीपी) एवं शुगर की स्क्रीनिंग की गई। जांच के बाद मरीजों को निःशुल्क चश्मे एवं आई ड्रॉप्स उपलब्ध कराए गए। शिविर में विशेषज्ञों द्वारा मरीजों की आंखों की जांच कर उन्हें आवश्यक परामर्श भी दिया गया। जांच के दौरान 17 मरीजों में मोतियाबिंद की पहचान हुई। मोतियाबिंद ऑपरेशन के लिए सुखसागर मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल जबलपुर रेफर किया गया। यहां मरीजों को पूर्णतः निःशुल्क उपचार की सुविधा उपलब्ध कराई गई जिससे जरूरतमंद मरीजों को राहत मिली।शिविर में नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ पवन कुमार यादव,अमन पटेल,डॉ प्रियांश जैन सहित हॉस्पिटल की टीम ने अपनी सेवाएं प्रदान कीं। समिति के संस्थापक पंडित कार्तिकेय तिवारी ने शिविर के सफल आयोजन में सहयोग देने वाले सभी ग्रामवासियों एवं स्वास्थ्य टीम के सदस्यों के प्रति आभार व्यक्त किया।

वाल्मीकि जयंती और शरदोत्सव के उपलक्ष्य में हुआ कवि सम्मेलन

जबलपुर। अखिल भारतीय साहित्य परिषद् द्वारा सुहागी में शरदोत्सव एंव महर्षि बाल्मीक जयंती के उपलक्ष्य में काव्य उत्सव का आयोजन डॉ. अभिजात कृष्ण त्रिपाठी के मुख्य आतिथ्य, इंद्रदत्त त्रिपाठी की अध्यक्षता, राजेश दुबे बबलू की विशिष्ट आतिथ्य, मुख्य वक्ता डॉ. कौशल दुबे की उपस्थिति में किया गया। कवि गोष्ठी डॉ. कमलेश व्यास के संचालन में सम्पन्न हुई। कार्यक्रम में डॉ. उदयभानु तिवारी, राज सागरी, अभिमन्यु जैन, सुरेश विचित्र, डॉ नरेश द्विवेदी, अखिलेश शुक्ल, विभाषमणि वैरागी, लखनलाल ने कविता पाठ किया। कार्यक्रम के प्रथम चरण में अखिलेश शुक्ल ने अतिथियों का स्वागत किया तदोपरांत कृष्णकांत शुक्ला ने अतिथियों का परिचय दिया। सभी का आभार धर्मेश चतुर्वेदी ने व्यक्त किया। कार्यक्रम में पुरुषोत्तम तोमर, राजेश तिवारी, सुभाष तोमर, संतोष द्विवेदी, रामावतार आदि की उपस्थित उल्लेखनीय रही।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने किया 2 दिवसीय चतुर्थ राष्ट्रीय एचआर-सीएसआर कॉन्फ्रेंस अभ्युदय : 2026 का शुभारंभ

भगवान श्रीकृष्ण के जीवन पर शोध और मीमांसा करने वाले शोधार्थियों और संस्थाओं का करेंगे पूरा सहयोग

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

हमारे समाज के लिए एक आदर्श है भगवान श्री कृष्ण का पूरा जीवन

लोकतांत्रिक परम्पराओं के महान नायक थे भगवान श्रीकृष्ण

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि जहां गीता समाप्त होती है, वहीं से जीवन का अभ्युदय प्रारंभ होता है। हमारे समाज के लिए एक आदर्श है भगवान श्री कृष्ण का पूरा जीवन। हम सब उनके जीवन से प्रतिदिन कुछ न कुछ सीखते ही हैं।

उन्होंने अपना सारा जीवन चुनौतियों के बीच व्यतीत किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण तत्कालीन लोकतांत्रिक परम्पराओं के सच्चे और महान नायक थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव शनिवार को कुशाभाऊ ठाकरे सभागार में फोर्थ नेशनल कांफ्रेंस फॉर एचआर-सीएसआर 'अभ्युदय' को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने इस 2 दिवसीय नेशनल कॉन्फ्रेंस का शुभारंभ किया। यह कॉन्फ्रेंस 25 अक्टूबर को भी जारी रहेगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव को इंडोनेशिया से आए पद्मश्री डॉ. अगुष इंद्र उद्याना ने एक पारम्परिक घंटी भेंट की। मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्होंने जीवन की हर परिस्थिति में अपना मानव धर्म और राजधर्म निभाया।



एचआर-सीएसआर कॉन्फ्रेंस अभ्युदय-2026 का दीप प्रज्ज्वलित करते सीएम।

नशे के खिलाफ भी चलाया जा रहा है अभियान

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि राज्य में नक्सलवाद बड़ी समस्या थी। मप्र ने ही सबसे पहले लाल सलाम को आखिरी सलाम किया। प्रदेश में नशे के खिलाफ भी अभियान चलाया जा रहा है। राज्य में नई शिक्षा नीति लागू कर योग को बढ़ावा दिया जा रहा है। इससे नशा मुक्ति में भी सहयोग मिलेगा। प्रदेश में आयुष महाविद्यालयों की संख्या तेजी से बढ़ाई जा रही है। योग और वेलनेस के प्रोत्साहन को लेकर हम बड़े प्रयास कर रहे हैं। मुख्यमंत्री ने इस महत्वपूर्ण राष्ट्रीय आयोजन के लिए यूनाइटेड काउंसिल फॉर एंशिएंट विजडम-यूनाइटेड कॉन्शसनेस, श्रीकृष्ण पाथेय न्यास, संस्कृति विभाग तथा सहयोगी संस्था यूनाइटेड ग्लोबल पीस फाउंडेशन को बधाई दी।

एशियन गेम्स में मध्यप्रदेश के खिलाड़ियों ने 11 मेडल जीते

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि हाल के एशियन गेम्स में मप्र के खिलाड़ियों ने 11 मेडल जीते, इनमें से 5 स्वर्ण पदक हैं। प्रदेश में शासकीय स्तर पर 18 अकादमी संचालित हैं। मुख्यमंत्री ने बताया कि प्रदेश सरकार ने तीन स्किल यूनिवर्सिटी स्थापित करने की घोषणा की है। मुख्यमंत्री ने उद्योग समूहों के प्रतिनिधियों से परस्पर संवाद में कहा कि एक ग्लोबल स्किल पार्क भी भोपाल में है। मप्र सबसे तेजी से औद्योगिक निवेश आकर्षित करने वाला राज्य है। हम युवाओं के कौशल विकास को लेकर भी प्रतिबद्ध है। चर्चा में टाटा समूह के प्रतिनिधि ने कौशल विकास को लेकर मध्यप्रदेश में विस्तार करने की मंशा जाहिर की।

प्रदेश में विरासत को संरक्षित करने वाली सरकार है

अपर मुख्य सचिव संस्कृति और श्रीकृष्ण पाथेय न्यास के न्यासी सचिव शिवशेखर शुक्ला ने कहा कि प्रदेश में विरासत को संरक्षित करने वाली सरकार है। मुख्यमंत्री आगे बढ़कर इस मुहिम का नेतृत्व कर रहे हैं। वहीं, ओंकारेश्वर में नर्मदा के किनारे आचार्य शंकर को ज्ञान प्राप्त हुआ और उन्होंने देशभर की यात्रा कर सनातन धर्म का प्रचार प्रसार किया। इन सभी से संबंधित स्थलों को संरक्षित करते हुए सरकार आगे बढ़ रही है। ओंकारेश्वर में एकात्म धाम की स्थापना की गई है। इससे भविष्य में धार्मिक और ऐतिहासिक पर्यटन के अवसर भी विकसित होंगे।

मप्र को अभ्युदय का मंत्र दिया है

नेशनल कॉन्फ्रेंस के संयोजक डॉ. विक्रांत सिंह तोमर ने कहा कि मुख्यमंत्री ने मप्र को अभ्युदय का मंत्र दिया है। यह शब्द पवित्र गीता से निकला है। उन्होंने कहा कि जब जीवन में शांति आती है, तब यही शांति आत्मिक समृद्धि भी लाती है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री के नेतृत्व में प्रदेश अपनी धार्मिक, सांस्कृतिक, भारतीय ज्ञान परंपरा और विरासत का संरक्षण करते हुए आगे बढ़ रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव प्रदेश के औद्योगिक विकास के लिए संकल्पित हैं। वे मप्र को विकसित और आत्मनिर्भर बनना चाहते हैं। उन्होंने इस दो दिवसीय कॉन्फ्रेंस की रूपरेखा पर विस्तार से प्रकाश डाला।

खबर संक्षेप

भोजपुर नारी शक्ति ने प्रभात फेरी निकाली

औबेदुल्लागंज। भोजपुर नारी शक्ति ने रविवार को प्रभात फेरी निकाली। प्रभात फेरी में महिलाओं में उत्साह देखा गया एवं आरती यादव का जगह-जगह सम्मान हुआ। भोजपुर नारी समिति अध्यक्ष आरती यादव, उपाध्यक्ष भगवती साहू, विमल यादव, चिंता साहू, मीना साहू, शर्मिला यादव और कुंती यादव, पुष्पा, चंद यादव, कुसुम शर्मा, जैन मैडम और रवि यादव की माता कुंती यादव ने स्वागत किया। शर्मिला अशोक यादव, सुनीता सैनी, मीणा मालवीय का स्वागत हुआ।

विधायक पटवा ने की अग्रवाल की सराहना



औबेदुल्लागंज। जिला महिला मंडल अध्यक्ष विद्या अग्रवाल के निवास पर विधायक सुरेंद्र पटवा ने पहुंचकर बधाई दी और कहा कि विद्या अग्रवाल बहुत मेहनत करती है, ढाई क्विंटल आटे की पूड़ी बांटी। इस अवसर पर विद्या अग्रवाल ने पटवा से कहा कि विधायक पटवा सभी के हित की बात करते हैं। कभी किसी का बुरा नहीं किया।

260 गांवों की भूमि सिंचित होगी और 72 हजार किसान होंगे लाभान्वित

नर्मदा-झाबुआ-पेटलावद-थांदला-सरदारपुर माइक्रो उद्वहन सिंचाई परियोजना आरंभ

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

मुख्यमंत्री ने 188 करोड़ के विभिन्न विकास कार्यों का किया लोकार्पण और भूमिपूजन

सीएम ने प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना की 317.86 करोड़ राशि अंतरित की

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि पूरे देश में सिंचाई का क्षेत्र निरंतर बढ़ रहा है। सरदार सरोवर बांध के बाद अलग-अलग परियोजनाओं के माध्यम से धार-झाबुआ क्षेत्र को पर्याप्त जल उपलब्ध हो रहा है। किसानों को 2387 करोड़ रुपए से अधिक लागत की नर्मदा-झाबुआ-पेटलावद-थांदला-सरदारपुर माइक्रो उद्वहन सिंचाई परियोजना की सौगात मिली है। पिछले ढाई साल में हमारी सरकार ने सिंचाई का रकबा 60 लाख हैक्टेयर तक पहुंचाया है। प्रदेश में सिंचाई का रकबा 100 लाख हैक्टेयर करने का लक्ष्य रखा है।

सूखे खेतों को जब पानी मिलता है तो किसानों की फसल सोने जैसे चमकने लगती है। राज्य सरकार कृषि, उद्योग सहित प्रत्येक सेक्टर में काम कर रही है। प्रदेश के किसानों की समृद्धि ही हमारा ध्येय है। किसान कल्याण वर्ष में किसानों के हित में अनेक कार्य हुए हैं। आज प्रदेश के 16 लाख 70 हजार किसानों को दीवाली त्यौहार से पहले 317.86 करोड़ की राशि भेजकर सौगात दी गई है।



नर्मदा-झाबुआ-पेटलावद-थांदला-सरदारपुर माइक्रो उद्वहन परियोजना का सीएम ने किया लोकार्पण।

लगभग 6 लाख कपास उत्पादक किसानों को लाभ

सीएम ने कहा कि प्रदेश में सड़क, रेल और हवाई सुविधाएं तेजी से बढ़ रही हैं। अब धार को भी रेलवे लाइन की सौगात मिल चुकी है। इस परियोजना से निमाड़-मालवा क्षेत्र के लगभग 6 लाख कपास उत्पादक किसानों को लाभ मिलेगा। अब एक ही स्थान पर कपास से धागा, धागे से कपड़ा और कपड़े से रेडीमेड गारमेंट्स तैयार किए जाएंगे। यहां के धागे से निर्मित वस्त्रों का निर्यात भी होगा। 3 लाख लोगों को पीएम मित्र पार्क से रोजगार के अवसर उपलब्ध होंगे।

योजनाओं के क्रियान्वयन में तेजी आई है और भ्रष्टाचार पर अंकुश लगा

केंद्रीय महिला बाल-विकास राज्य मंत्री सावित्री ठाकुर ने कहा कि मुख्यमंत्री के प्रयासों से प्रदेश में औद्योगिक निवेश तेज गति से आ रहा है। धार जिले में इस साल वर्षा कम हुई है, ऐसी परिस्थिति में माइक्रो उद्वहन सिंचाई परियोजना महत्वपूर्ण सिद्ध होगी। प्रधानमंत्री ने गरीबों के जन धन बैंक खाते खुलवाए।

तत्कालीन सरकार ने असंभव करार दे दिया था

नगरीय विकास एवं आवास मंत्री एवं धार जिले के प्रभारी कैलाश विजयवर्गीय ने कहा कि मुख्यमंत्री ने प्रदेश की 100 लाख हैक्टेयर भूमि को सिंचित करने का संकल्प लिया है। आज माइक्रो उद्वहन सिंचाई परियोजना के माध्यम से क्षेत्र के 72 हजार किसान लाभान्वित हुए हैं। इस परियोजना को तत्कालीन सरकार ने असंभव करार दे दिया था। प्रधानमंत्री मोदी ने देश के गरीब-जरूरतमंदों को निःशुल्क राशन उपलब्ध करवा रही है। महिला एवं बाल विकास मंत्री सुश्री निर्मला भूरिया ने कहा कि धार, झाबुआ, पेटलावद, थांदला, सरदारपुर को माइक्रो उद्वहन सिंचाई परियोजना के लोकार्पण से सिंचाई के लिए माँ नर्मदा का जल मिलेगा।

दूध उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए नई योजना की शुरुआत

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि किसानों और लाड़ली बहनों को राशि लगातार मिलती रहेगी। किसान कल्याण वर्ष में किसानों को लगातार सौगात मिल रही है। प्रदेश में दूध उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए नई योजना की शुरुआत की गई है। किसान को 25 गाय-भैंस खरीदकर डेयरी शुरू करने पर 10 लाख रुपए का अनुदान सरकार देगी। दूध उत्पादन बढ़ने के किसानों के जीवन में सुख-समृद्धि आएगी।

भाजपा प्रदेश संगठन महामंत्री ने उमरिया में जिला बैठक को किया संबोधित

कांग्रेस पार्टी की अराजक राजनीति को जनता के सामने करें उजागरः चंद्रशेखर

आंदोलनों की आड़ में देश में अराजकता की स्थिति कर रहे उत्पन्न



हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश संगठन महामंत्री चंद्रशेखर ने शनिवार को उमरिया जिला कार्यालय में जिला बैठक को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने अपने कार्यों और तौर-तरीकों से देश को नुकसान पहुंचाया है। कांग्रेस की अराजक राजनीति को पार्टी कार्यकर्ता जनता के सामने उजागर करें।

पार्टी कार्यकर्ता संगठन को मजबूत बनाने के साथ जन-जन तक विचारधारा को पहुंचाने का कार्य करें। अब आंदोलनों की आड़ में देश में अराजकता की स्थिति पैदा करने का प्रयास कर रही है। लोकतंत्र बचाने के नाम पर संवैधानिक संस्थाओं पर सवाल उठाना विपक्ष की राजनीति का हिस्सा बन गया है। भाजपा 'लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ' अभियान के माध्यम से कांग्रेस की नीतियों और अराजक राजनीति को जनता के सामने उजागर करेगी। बैठक को प्रदेश शासन के मंत्री नागर सिंह चौहान एवं संभाग प्रभारी गौरव सिरोठिया ने भी संबोधित किया।

ग्वारीघाट रोड पर लगा निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण शिविर





जबलपुर। ग्वारीघाट रोड, बिग बाजार साऊथ एवेन्यु मॉल-परफेक्ट पॉटरी के सामने अग्रवाल मल्टीस्पेशिलिटी क्लीनिक में रविवार को जनरल मेडिशिन प्रेक्टिशनर डॉ.विपिन अग्रवाल व दंत रूट केलान विशेषज्ञ डॉ साक्षी बिलैया अग्रवाल ने निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन किया।

संगठित, असंगठित क्षेत्र के वेतन भोगी श्रमिको, कार्मिकों के वेतन, कार्य का समय, बीमा, पेंशन का निर्धारण होना चाहिए

जबलपुर। इंडियन नेशनल सैलरी एम्पलाइज एवं प्रोफेशनल वर्कर्स फेडरेशन की प्रदेश कार्यकारिणी की बैठक गत दिवस आयोजित की गई। बैठक के मुख्य अतिथि पूर्व वरिष्ठ अधिकारी श्रम कानून के विशेषज्ञ अजय मिश्रा, विशिष्ट अतिथि फेडरेशन के राष्ट्रीय सचिव राकेश डीपी पाठक थे जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता संस्था के प्रदेश अध्यक्ष विजय सिंह रघुवंशी ने की। इंडियन नेशनल सेलरीड एम्पलाइज एवं प्रोफेशनल वर्कर्स फेडरेशन के महामंत्री राम राज तिवारी ने वर्कर्स फेडरेशन की बैठक में संपूर्ण जानकारी से सभी के समक्ष एजेंडे को प्रस्तुत किया तत्पश्चात प्रदेश कमेटी के प्रदेश से आए हुए सभी पदाधिकारीयों ने एजेंडे का एक मतेन समर्थन किया ।इंडियन नेशनल सैलरी इंप्लाइज एवं प्रोफेशनल वर्कर फेडरेशन इंटक के मुख्य अतिथि अजय मिश्रा ने बताया कि भारत सरकार ने 29 पुराने श्रम कानून को खत्म करके 21 नवंबर 2025 को नए लेबर कोड लागू कर दिए हैं जो अब 2026 से पूरी तरह से अमल में आ गए है। मध्य प्रदेश सरकार ने भी अपना नया श्रम नियम कानून बना लिया है जिसका इसी सप्ताह प्रकाशित होने की संभावना है। अजय मिश्रा ने बताया कि वेतन संहिता 2019 तथा औद्योगिक संबंध संहिता 2020 एवं सामाजिक सुरक्षा संहिता 2020 तथा व्यावसायिक सुरक्षा स्वास्थ्य और कार्य दिवस संहिता 2020 लागू हुए हैं वह कर्मचारी एवं श्रमिकों के हितार्थ कुछ अच्छे कानून है साथ ही सैलरी एम्पलाई कौन है इस संबंध में मुख्य अतिथि अजय मिश्रा ने कहा कि जो किसी कंपनी संस्था में मासिक वेतन पर काम करता है चाहे वह प्राइवेट हो या शासकीय या एनसीएल, एनटीपीसी, अदानी, बीएच ई एल , बिजली कंपनियों के कर्मचारी हो सभी कर्मचारियों को श्रमिकों को नियुक्त पत्र अनिवार्य रूप से दिया जाना चाहिए तथा वेतन नियम के संबंध में सारी जानकारी दी जाए। तथा यह भी बताया कि नई श्रम नीति कानून के अनुसार 7 तारीख के पूर्व वेतन कर्मचारियों को मिलना अनिवार्य है अन्यथा जुर्माना देना होगा। सैलरी फेडरेशन के राष्ट्रीय सचिव राकेश डी पी पाठक ने कहा कि आज पूरे देश में हर शासकीय विभाग कंपनी या निजी क्षेत्र आऊट सोर्स कार्मिकों के भरोसे चल रहा है। मध्यप्रदेश की सभी बिजली कंपनियों में नियमित कर्मचारियों में से 80 प्रतिशत से ज्यादा सेवा निवृत्त हो गये है आज बिजली कंपनियों में बिजली उत्पादन,पारेषण, वितरण , प्रशासकीय कार्य और उपभोक्ता सेवा के महत्वपूर्ण सभी कार्य संविदा और आउट सोर्स कर्मचारियों के माध्यम से ही किए जा रहे हैं। संगठित और असंगठित क्षेत्र के वेतन भोगी महिला, पुरुष इन कर्मचारियों को न तो नियुक्ति पत्र मिलता है,न ही केंद्र सरकार द्वारा निर्धारित न्यूनतम वेतन,न ही वेतन समय पर,न कार्य का समय, न अवकाश दिवस, पेंशन,ग्रेजुइटी, न ही बीमा, मेडीकल बीमा और न ही नौकरी, कार्य परिसर में सुरक्षा का निर्धारण किया जा रहा है। यह बड़ी बिषम परिस्थिति है। राज्य शासन, बिजली कंपनियों के प्रबंधन द्वारा इन पर विशेष ध्यान देकर इनका निर्धारण अनिवार्य रूप से किया जाना चाहिए। तभी आर्थिक, मानसिक और शारीरिक रूप से इनका शोषण रुकेगा। संगठन के महामंत्री राम राज तिवारी ने कहा कि ई टी सी का 50% वेतन होना चाहिए ताकि पी एफ/ ग्रेच्युटी में घाटा ना हो इस विषय पर प्रकाश डाला गया। रीवा से पधारे इंटक के प्रदेश संगठन सचिव जी पी त्रिपाठी ने कहा कि नेशनल सैलरी एम्पलाइज एवं प्रोफेशनल वर्कर फेडरेशन के सदस्यों. को लोकतांत्रिक तरीके से उनके हितवर्धन हेतु कार्य करना चाहिए सिंगरौली से पधारी राष्ट्रीय महिला इंटक की पदाधिकारी तथा एनसीएल से पूर्व महाप्रबंधक कार्मिक से श्रीमती सुमन लता डेहरिया ने बताया कि मुझे पावर सेक्टर एवं कोल माइंस की तरफ से नागपुर एवं बेंगलुरु भेजा गया जहां महिलाओं को जागृत करने उनके प्रति कार्य करने का मुझे प्रशिक्षण मिला तथा मुझे महिलाओं के उत्थान हेतु बेंगलुरु में एक प्रोजेक्ट बनाकर देने का निर्देश दिया जिसमें राष्ट्रीय महिला ग्लोबल सम्मेलन में प्रथम स्थान मध्य प्रदेश को मिला है। फेडरेशन इंटक के प्रदेश उपाध्यक्ष नरेंद्र मिश्रा ने प्रदेश कार्यकारिणी का संचालन करते हुए सभी नियमों कानून से अवगत कराया तथा प्रदेश कार्यकारिणी की बैठक में जिला संभाग एवं प्रदेश से आए हुए सभी पदाधिकारी से आग्रह किया कि इस फेडरेशन की सदस्यता बनाकर इन कर्मचारियों का हित संवर्धन करना है । फेडरेशन प्रदेश उपाध्यक्ष राहुल त्रिपाठी ने संगठन को विस्तार करने महत्वपूर्ण सुझाव दिया। यूथ इंटक के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष तथा भेल के महामंत्री श्री मिथिलेश तिवारी ने भी संगठन में ज्यादा से ज्यादा सदस्य जोड़ने का आव्हान करते हुए आभार व्यक्त किया। मुख्य रूप से प्रदेश अध्यक्ष विजय सिंह रघुवंशी, नरेंद्र मिश्रा ,रामराज तिवारी, राहुल त्रिपाठी, जेपी त्रिपाठी ,अजय मिश्रा, राकेश डीपी पाठक, सुमन लता डेहरिया, मिथिलेश तिवारी ,एन के यादव,कमलेश सिंह, रंजन सिंह, उमाशंकर मेहता,आरके हर्ट, पवन मिश्रा, सुमित कुमार, उमेश पांडे, अफसार अहमद,आदि अनेक लोगों ने एम्पलाइज भी बात रखी। आभार मिथिलेश तिवारी ने किया ।



इलाज और सुविधाएं दिलाने का प्रलोभन देकर बनाया बंधक

पास्टर पर बीमारी से जूझ रही महिला के दैहिक शोषण और धर्मांतरण के गंभीर आरोप

हरिभूमि न्यूज ⏭ कांकेर

जिले में एक पास्टर पर गंभीर आरोप सामने आए हैं। पास्टर दिलीप चक्रधारी ने कथित तौर पर बीमारी से जूझ रही एक महिला को इलाज और सुविधाएं दिलाने का प्रलोभन देकर बंधक बना लिया। आरोपी ने पीड़िता को धर्मांतरण के लिए उकसाया और उसका दैहिक शोषण किया। पीड़िता के 15 वर्षीय पुत्र ने इस मामले में सिटी कोतवाली थाने में लिखित शिकायत दर्ज कराई है।

शिकायत के अनुसार वर्ष 2021 में पीड़िता के पति राजकुमार साहू की सड़क दुर्घटना में मृत्यु हो गई थी। इसके बाद महिला की तबीयत लगातार खराब रहने लगी। इस दौरान पड़ोसी अंबिका साहू ने उसका परिचय आरोपी पास्टर दिलीप चक्रधारी से कराया। आरोपी ने महिला की बीमारी ठीक करने और घर पर सुविधाएं उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया। इसके बदले उसने महिला को ईसाई धर्म अपनाने के लिए विवश किया। आरोप है कि आरोपी पास्टर ने महिला को अपने घर में बंधक बनाकर रखा और उसे परिजनों के पास लौटने से रोका। आरोपी पीड़िता को धमकियां देता था।



महिला के शरीर पर चोट के निशान

पीड़िता की स्थिति बिगड़ने पर उसे कोमलदेव अस्पताल में भर्ती कराया गया। पीड़िता के पुत्र के अनुसार 23 अक्तूबर को चिकित्सकों ने जानकारी दी कि महिला के शरीर पर चोट के निशान हैं और फेफड़ों में गंभीर संक्रमण है। महिला की गंभीर हालत को देखते हुए उसे गहन चिकित्सा इकाई में भर्ती किया गया है। पीड़िता ने आरोपी पास्टर के खिलाफ निष्पक्ष जांच और कड़ी कार्रवाई की मांग की है। पुलिस प्राप्त शिकायत के आधार पर मामले की जांच कर रही है।



श्री गहोई वैश्य एसोसियेशन वृहद रुप से मनायेगा 35वां स्थापना दिवस

जबलपुर। श्री गहोई वैश्य एसोसियेशन की आमसभा में रविवार को दिसंबर में 35वां स्थापना दिवस वृहद रुप से मनाने व युवाओं को सामाजिक संस्था से जोंडने का निर्णय लिया गया। एसोसियेशन अध्यक्ष एडवोकेट अशोक गुप्ता पिपरसानिया, कार्यकारी अध्यक्ष एडवोकेट उत्तमचंद्र बिलैया महासचिव नीरज कस्तवार, कोषाध्यक्ष आलोक सरावगी की अभिनव पहल पर कार्यक्रम की रुपरेखा बनाने विभिन्न समितियों के गठन व खेल प्रतियोगिता के लिए जिम्मेदारियां सौंपी गई। इस अवसर पर स्मारिका के प्रकाशन का भी निर्णय लिया गया। यह भी निर्णय हुआ कि प्रतिवर्षानुसार आयोजित होने वाले वनभोज को स्थापना दिवस कार्यक्रम में समाहित कर दिया जावे। बैठक में अनेकों सदस्यों ने महत्वपूर्ण सुझाव दिए। आभार प्रदर्शन अरुण सरावगी ने किया । बैठक में पूर्व समाजाध्यक्ष विजय सुहाने, इं. अरुण खर्द, कैलाश लहरिया, उद्यमी श्याम सुहाने, कृष्ण कुमार हूंका, प्रोफेसर सुहाने, राजेंद्र गुप्ता, अरविंद गेडा, केसी सोनी, श्रीमति सीता सरावगी, डब्बू मोर, श्रीप्रकाश खर्द, आदि उपस्थित रहे।

जहरीली शराब से 22 मौतों पर सरकार से मांगा जवाब

जिम्मेदारों पर कार्रवाई और पीड़ितों के लिए न्याय की मांग

अब देवास जिले में जहरीली शराब से बरपा कहर, जीतू पटवारी और अरुण यादव ने की पीड़ितों से मुलाकात

विशेष प्रतिनिधि ⏭ भोपाल

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी एवं पूर्व प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अरुण यादव ने देवास जिले के ग्राम चंदाना पहुंचकर जहरीली शराब की घटना में अपनों को खो चुके परिवारों से मुलाकात की और उनके दुख-दर्द को करीब से जाना।

पटवारी ने कहा कि देवास जिले में जहरीली शराब से अब तक 22 लोगों की मौत होने की जानकारी सामने आई है। यह बेहद गंभीर मामला है। सरकार और जिला प्रशासन को मौतों की वास्तविक संख्या सार्वजनिक करनी चाहिए और पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराकर दोषियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई सुनिश्चित करनी चाहिए। इस दौरान प्रदेश कांग्रेस उपाध्यक्ष मनोज राजानी, ग्रामीण जिला कांग्रेस अध्यक्ष मनीष चौधरी, शहर जिला कांग्रेस अध्यक्ष प्रयास गौतम सहित अन्य कांग्रेसजन उपस्थित रहे।

सरकार को मौतों की वास्तविक संख्या सार्वजनिक करनी चाहिए



पीड़ित परिवार से मिले पटवारी और यादव।

आर्थिक सहायता मिलना चाहिए

पटवारी ने कहा कि जिन परिवारों ने अपने प्रियजनों को खोया है, उन्हें न्याय और उचित आर्थिक सहायता मिलनी चाहिए। जहरीली शराब के पूरे नेटवर्क का पर्दाफाश हो, दोषियों पर सख्त कार्रवाई हो और लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों की जवाबदेही तय की जाए। पटवारी ने कहा कि कांग्रेस पीड़ित परिवारों की आवाज को दबने नहीं देगी। यह केवल कुछ परिवारों का दुख नहीं, बल्कि नागरिकों की सुरक्षा और सरकार की जवाबदेही का सवाल है। जहरीली शराब से हुई मौतों का सच सामने लाना, दोषियों को सजा दिलाना और पीड़ित परिवारों को न्याय दिलाना जरूरी है। कांग्रेस की यह लड़ाई सड़क से सदन तक जारी रहेगी।

प्रकृति में कई ऐसे पेड़-पौधे मौजूद हैं, जो देखने में बेहद खूबसूरत और साधारण लगते हैं, लेकिन उनके भीतर छिपे गुण जानलेवा भी हो सकते हैं। केरल के तटीय इलाकों और बैकवाटर्स के आसपास पाया जाने वाला ओथालंगा का पेड़ इसका एक उदाहरण है।

दिखता है आम पेड़ जैसा, फल खाते ही हो जाती है इंसान की मौत!

नई दिल्ली। इसकी हरी-भरी पत्तियां, सफेद फूल और आम जैसे दिखने वाले फल पहली नजर में किसी का भी ध्यान खींच सकते हैं। हालांकि, इसकी खूबसूरती के पीछे एक गंभीर खतरा छिपा है। यही वजह है कि इसे अंग्रेजी में 'सुसाइड ट्री' भी कहा जाता है।

ओथालंगा का वैज्ञानिक नाम सेर्बेरा ओडोलम है। यह एपोसिनेसी परिवार का पौधा है, जिसमें कई जहरीली प्रजातियां शामिल हैं। इसे अंग्रेजी में सी मैंगो यानी समुद्री आम के नाम से भी जाना जाता है। यह पेड़ दक्षिण और दक्षिण-पूर्व एशिया के क्षेत्रों में पाया जाता है। केरल के तटीय इलाकों में भी इसकी मौजूदगी देखी जाती है। इस पेड़ के फल बाहर से सामान्य दिखाई दे सकते हैं, लेकिन इनके बीजों में सेरबेरिन नाम का जहरीला पदार्थ पाया जाता है। यह कार्डियक ग्लाइकोसाइड समूह का एक यौगिक है, जो दिल की सामान्य कार्यप्रणाली को प्रभावित कर सकता है।

ये है देश का सबसे जहरीला प्लांट



दिल की धड़कनों पर पड़ता है जहरीले तत्व

सेरबेरिन शरीर की कोशिकाओं में सोडियम और पोटैशियम जैसे इलेक्ट्रोलाइट्स के संतुलन को बनाए रखने वाली प्रक्रिया में बाधा डाल सकता है। इसका असर हृदय की विद्युत गतिविधियों पर पड़ता है, जिससे दिल की धड़कन अनियमित हो सकती है। गंभीर मामलों में यह स्थिति कार्डियक अरेस्ट जैसी जानलेवा समस्या का कारण बन सकती है। विशेषज्ञों के लिए इस तरह के विषाक्त प्रभावों की पहचान करना भी चुनौतीपूर्ण हो सकता है, क्योंकि इसके लक्षण कई दूसरी गंभीर चिकित्सकीय स्थितियों से मिलते-जुलते हैं।

खूबसूरत दिखने वाले फल से रहें सावधान

ओथालंगा का पेड़ हमें याद दिलाता है कि प्रकृति में दिखाई देने वाली सुंदरता हमेशा सुरक्षा की गारंटी नहीं होती। इसके फल या बीजों को बिना सही जानकारी के छूने या खाने के प्रयोग नहीं करने चाहिए। खासकर बच्चों को ऐसे अनजान फलों से दूर रखना जरूरी है। अगर किसी व्यक्ति को इस पौधे का फल या बीज खाने का संदेह हो, तो लक्षणों का इंतजार किए बिना तुरंत चिकित्सा सहायता लेनी चाहिए। समय पर पहचान और इलाज गंभीर परिणामों से बचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं।



मौत की असली वजह का पता लगाना क्यों है मुश्किल?

ओथालंगा से जुड़े मामलों में फोरेंसिक जांच की भूमिका बेहद अहम हो जाती है। यदि जांच करने वालों को इस पौधे से विष की आशंका न हो, तो मौत की वास्तविक वजह पहचानना कठिन हो सकता है। सही निष्कर्ष तक पहुंचने के लिए मेडिकल हिस्ट्री, घटनास्थल से जुड़े साक्ष्य, पोस्टमॉर्टम के निष्कर्ष और विशेष टॉक्सिकोलॉजिकल जांच को एक साथ देखना जरूरी है। सेरबेरिन की पहचान के लिए सामान्य डिगॉक्सिन टेस्ट पर अकेले निर्भर रहना भी काफी नहीं है। डिगॉक्सिन एक अलग कार्डियक ग्लाइकोसाइड है और उसके परीक्षण को सेरबेरिन की पुष्टि का विश्वसनीय विकल्प नहीं माना जा सकता।

रोचक खबरें

तुर्की बन सकता है रेयर अर्थ का बड़ा प्लेयर किजिलकाओरेन भंडार पर रिसर्च



अंकारा। तुर्की जल्दी ही रेयर अर्थ (दुर्लभ मृदा तत्वों) के अहम स्रोत के रूप में उभर सकता है। तुर्की के दुनिया में मची रेयर अर्थ की होड़ में शामिल होने की संभावना देश के 'किजिलकाओरेन' भंडार पर हुए शोध की वजह से है। चीनी शोधकर्ताओं ने तुर्की के सबसे महत्वपूर्ण ज्ञात रेयर अर्थ भंडार किजिलकाओरेन का अध्ययन किया है। उन्होंने इस भंडार के जटिल भूवैज्ञानिक विकास का खाका तैयार किया है। यह रेयर अर्थ आधुनिक समय में बेहद महत्वपूर्ण साबित हो सकता है।

यह शोध इस बात पर रोशनी डालता है कि कार्बोनेटाइट से जुड़ी संरचनाओं में रेयर अर्थ तत्व किस तरह जमा होते हैं। साथ ही यह उन देशों के सामने खड़े सवाल से जुड़ा है, जो अपने महत्वपूर्ण खनिजों के स्रोतों में विविधता लाने की कोशिश में हैं। यानी इसके रास्ते में आने वाली भूवैज्ञानिक और आर्थिक बाधाएं वास्तव में कितनी कठिन हैं। वैज्ञानिक यह जानने की कोशिश कर रहे हैं कि क्या इस खनिज को सफलता से निकालकर इस्तेमाल में लाया जा सकता है।

तुर्की में हुई ज्वाइंट रिसर्च : फर्स्टपोस्ट के मुताबिक, यह शोध पत्र चीन और तुर्की के वैज्ञानिकों ने किया है। साइट के इतिहास का पुनर्निर्माण करने के लिए टीम ने संपूर्ण चट्टान भू-रसायन, खनिज विश्लेषण, फ्लोराइट के ट्रेस-तत्व माप और स्ट्रोंटियम आइसोटोप डेटा को संयोजित किया। इससे उन्हें मैग्मा के प्रारंभिक निक्षेपण से लेकर बाद के जलतापीय खनिजकरण तक निक्षेप का पता लगाने में मदद मिली। इसमें उन्होंने तीन चरणों की पहचान की। कार्बोनेटाइट मैग्मा ने सबसे पहले आसपास की चट्टानों में प्रवेश किया, जिससे खनिजकरण की परिस्थितियां बनीं। जैसे-जैसे मैग्मा विकसित हुआ तो दुर्लभ पृथ्वी तत्वों, फ्लोरीन और सल्फेट से समृद्ध हाइड्रोथर्मल द्रव बने। इससे धातुओं का परिवहन और संकेंद्रण हुआ। आखिर में उल्कापिंडीय वर्षा का जल इस प्रणाली में प्रवेश कर गया।

भंडार और माइनिंग का फर्क

एक भंडार (डिपॉजिट) के बारे में पता होना और उसका खनन अलग है। भंडार के बनने की प्रक्रिया और यह साबित करना कि उसका आर्थिक रूप से खनन किया जा सकता है, दोनों अलग हैं। किजिलकाओरेन में 4.67 मिलियन टन रेयर अर्थ' अयस्क है। इसमें 'रेयर अर्थ ऑक्साइड' का औसत ग्रेड 2.78 प्रतिशत है। यह आंकड़ा अयस्क की मात्रा को दर्शाता है। दुनिया के प्रमुख भंडारों की तुलना में इसका पैमाना काफी छोटा लगता है। रिसर्चर यांग ने बताया कि किजिलकाओरेन उसी श्रेणी (मैग्मैटिक कार्बोनेटाइट) में आता है। इसमें चीन के सिचुआन प्रांत का माओनिउपिंग भंडार है। हालांकि इनर मंगोलिया में मौजूद विशाल बयान ओबो भंडार से यह काफी अलग है। किजिलकाओरेन, बयान ओबो से अलग है।

23 देशों की यात्रा कर मणिपुर पहुंचे अपापांग और अलांग बाज, दीमक खाकर भरेंगे पेट



नई दिल्ली। चीन से उड़े और 11 दिनों का सफर तय कर आखिरकार 'अपापांग' और 'अलांग' मणिपुर पहुंच गए हैं। ये कोई आम सैलानी नहीं, बल्कि 'अमूर फाल्कन' (बाज) हैं। पिछले साल नवंबर 2025 में वैज्ञानिकों ने इन्हें ट्रैक करने के लिए रेडियो टैग लगाया था। तब से लेकर अब तक, एशिया और अफ्रीका के 23 देशों की उड़ान भरकर ये नन्हे बाज वापस अपने ठिकाने पर लौट आए हैं। केंद्रीय पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव ने अपने एक्स हैंडल पर इसकी जानकारी दी है।

पहाड़ों में दावत उड़ाएंगे बाज

मणिपुर के तामेंगलोंग जिले के खूबसूरत पहाड़ों में अब इन मेहमानों का डेरा होगा। यहां ये करीब दो से तीन हफ्ते रुकेंगे। स्थानीय लोग हर साल पलकें बिछाकर इनका इंतजार करते हैं और इनकी सुरक्षा का पूरा जिम्मा उठाते हैं। यहां मिलने वाले दीमक इन बाजों का मुख्य भोजन हैं। इन्हें खाकर ये अपनी अगली और सबसे मुश्किल यात्रा के लिए जरूरी ताकत और चर्बी (फैट) जुटाएंगे।

6 दिन की बिना रुके उड़ान

यहां से आराम करने के बाद इनका अगला पड़ाव सोमालिया होगा। यह सफर आसान नहीं है। इन्हें करीब 6 हजार किलोमीटर का सफर बिना रुके लगातार उड़कर तय करना होगा, जिसमें 3 हजार किलोमीटर की खतरनाक अरब सागर की उड़ान भी शामिल है। बिना रुके 6 दिनों तक लगातार उड़ने की इनकी यह काबिलियत वाकई कुदरत का एक करिश्मा है।

भविष्यवाणी

नास्त्रेदमस की ये दो भविष्यवाणियां हुईं सच!

क्या छिड़ने वाला है विनाशकारी युद्ध दुनिया में मचेगी भयानक तबाही?

पेरिस। फ्रांस के मशहूर भविष्यवक्ता माइकल दि नास्त्रेदमस की भविष्यवाणों पर पूरी दुनिया यकीन करती है। उन्होंने अपनी भविष्यवाणी में 2026 को मानव इतिहास का सबसे भयानक साल बताया था। नास्त्रेदमस ने अपनी भविष्यवाणियों में कहा था कि साल 2026 में तीसरा विश्व युद्ध छिड़ सकता है। यह युद्ध दुनिया के लिए बेहद खतरनाक और विनाशकारी हो सकता है। उन्होंने यह भी आशंका जताई थी कि धर्म और राष्ट्रवाद के नाम पर हिंसा भड़केगी। अब कहा जा रहा है कि नास्त्रेदमस की दो बड़ी भविष्यवाणियां सच साबित हो चुकी हैं।

लोकप्रिय नेता की हो सकती है हत्या : नास्त्रेदमस ने अपनी भविष्यवाणी में यह भी दावा किया था कि साल 2026 में दुनिया के किसी बड़े और लोकप्रिय नेता की हत्या हो सकती है। इसके कारण उस देश में सत्ता परिवर्तन हो सकता है।



समुद्री मार्गों पर तनाव बढ़ सकता है

नास्त्रेदमस ने अपनी भविष्यवाणियों में कहा था कि युद्ध का असर समुद्री मार्गों पर पड़ेगा। उन्होंने कहा था किसी एक देश की गलती की वजह से समुद्री मार्गों पर तनाव बढ़ सकता है। होर्मुज जलडमरूमध्य फारस की खाड़ी और ओमान की खाड़ी को जोड़ने वाला दुनिया का सबसे महत्वपूर्ण और रणनीतिक समुद्री मार्ग है। अमेरिका और ईरान में जारी तनाव के कारण यह मार्ग प्रभावित हुआ है, जिसके कारण पूरी दुनिया में तेल का संकट छाया है।

दुनिया में छा सकता है आर्थिक संकट : नास्त्रेदमस ने अपनी एक भविष्यवाणी में कहा था कि अमेरिका और ब्रिटेन जैसे देशों को आर्थिक संकट का सामना करना पड़ सकता है। इसके पूरी दुनिया प्रभावित होगी और जनता को महंगाई की मार झेलनी पड़ेगी। समुद्री मार्गों और बंदरगाहों पर तनाव के कारण खाद्य पदार्थों समेत अन्य चीजों की सप्लाई बाधित होगी, जिससे कीमतें बढ़ेंगी। आर्थिक दबाव के कारण दुनिया की कई राजनीतिक पार्टियों और प्रभावशाली नेताओं का पतन हो सकता है। अब दावा किया जा रहा है कि नास्त्रेदमस की समुद्री मार्गों पर तनाव और दुनिया में आर्थिक संकट की भविष्यवाणियां सच साबित हुई हैं।

नास्त्रेदमस कौन थे?

फ्रांस के रहने वाले नास्त्रेदमस का जन्म 14 दिसंबर, 1503 को हुआ था। देश के एक छोटे-से गांव सेंट रेमी में जन्में नास्त्रेदमस बेहद कम उम्र में ही भविष्यवाणियां करने लगे थे। पेशे से नास्त्रेदमस एक डॉक्टर और शिक्षक थे। सदियों बाद भी लोग उनकी भविष्यवाणियों पर यकीन करते हैं। उन्होंने साल 1566 में दुनिया को अलविदा कह दिया था।



शुरू होगा भयानक युद्ध

नास्त्रेदमस ने कहा था कि 2026 में भयानक युद्ध की शुरुआत होगी, जो सात महीने तक चलेगा। उन्होंने यह भी दावा किया था कि इसी साल तीसरा विश्व युद्ध भी शुरू हो सकता है। उनका कहना था कि ऐसा हालात उत्पन्न होंगे तीसरे विश्व युद्ध को होने से कोई नहीं रोक सकता है। उनका कहना है कि राष्ट्रवाद और धर्म के नाम पर हर तरफ हिंसा होगी। इंसान ही इंसान के दुश्मन बन जाएंगे, जिससे मानव सभ्यता विनाश की तरफ जा सकती है।

भारतीय को पहली बार मिला प्रतिष्ठित ऑस्कर क्लेन मेडल



वॉशिंगटन। भारतीय भौतिक विज्ञानी प्रोफेसर अशोक सेन को 2026 के लिए प्रतिष्ठित ' ऑस्कर क्लेन मेडल ' से सम्मानित किया गया है। वे यह अंतरराष्ट्रीय सम्मान पाने वाले पहले भारतीय भौतिक विज्ञानी बन गए हैं। यह पुरस्कार ' सट्रिंग थ्योरी ' (जो ब्रह्मांड की मूलभूत प्रकृति को समझाने का प्रयास करती है), 'ब्लैक होल एंट्रॉपी' और 'सट्रिंग फील्ड थ्योरी' में उनके अहम योगदान को मान्यता देता है। इन क्षेत्रों ने आधुनिक सैद्धांतिक भौतिकी को एक नई दिशा दी है।

कोलकाता के प्रेसीडेंसी कॉलेज और कलकत्ता विश्वविद्यालय के पूर्व छात्र प्रोफेसर अशोक सेन को विज्ञान के क्षेत्र में उनके योगदान के लिए 2001 में पद्म श्री और 2013 में पद्म भूषण से नवाजा जा चुका है। उन्हें 2009 में इन्फोसिस पुरस्कार (गणितीय विज्ञान), 1994 में शांति स्वरूप भटनागर पुरस्कार, 1989 में आईसीटीपी पुरस्कार मिल चुका है। वर्तमान में सेन बेंगलुरु स्थित इंटरनेशनल सेंटर फॉर थियोरेटिकल साइंसेज में प्रोफेसर के रूप में कार्यरत हैं।

हर साल दिया जाता है अवार्ड

'ऑस्कर क्लेन मेडल' हर साल स्वीडन की स्टॉकहोम यूनिवर्सिटी और 'रॉयल स्वीडिश एकेडमी ऑफ साइंसेज' की 'नोबेल कमिटी फॉर फिजिक्स' देती है। साल 1988 में शुरू किया गया यह पुरस्कार भौतिकी के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए दिया जाता है। इसका नाम स्वीडिश सैद्धांतिक भौतिक विज्ञानी ऑस्कर क्लेन के नाम पर रखा गया है। इस पुरस्कार को पाने वालों में स्टीफन हॉकिंग, पीटर हिग्स, चेन-निंग यांग, स्टीवन वेनबर्ग और हंस बेथे जैसे नोबेल पुरस्कार विजेता शामिल हैं, जो इस सम्मान की अंतरराष्ट्रीय प्रतिष्ठा को दर्शाते हैं। बेंगलुरु स्थित इंटरनेशनल सेंटर फॉर थियोरेटिकल साइंसेज (आईसीटीएस) ने शनिवार को प्रोफेसर अशोक सेन को क्लेन मेडल से सम्मानित किए जाने की जानकारी दी है।

हरा एनाकोंडा को पकड़ने में वैज्ञानिकों के छूटे पसीने



लीमा। पश्चिमी अमेजन में हरा एनाकोंडा कहां पाया जाता है यह जानने के अलावा उसे ढूंढ़ने के लिए वैज्ञानिकों ने कड़ी मशक्कत की है। घनी जंगल, पानी में डूबा मलबा और छिपे हुए नदी के किनारे इस विशाल एनाकोंडा के छिपने के लिए एक शानदार जगह होता है। 2025 में 'जर्नल ऑफ नेचुरल हिस्ट्री' में प्रकाशित एक अध्ययन में बताया गया है कि पश्चिमी अमेजन में ये विशाल सरीसृप जलमार्गों और आस-पास की वनस्पति का उपयोग कैसे करते हैं।

पेरू के माद्रे दे दिओस क्षेत्र में शोधकर्ताओं ने 'पश्चिमी अमेजन में छिपे रहने वाले हरे एनाकोंडा जिसका नाम यूनेक्टेस मुरिनस है उसको लेकर एक जटिल अध्ययन किया जिसमें कम से कम 50 अलग-अलग सांपों से जुड़ी 180 लोकेशन को ट्रैक कर जानकारियां जुटाई गईं। चार वयस्क सांपों पर बहुत हाई फ्रीक्वेंसी वाले रेडियो टैग लगाए गए और उन्हें ट्रैक किया गया।

शोधकर्ताओं ने पेरू में चार हरे एनाकोंडा को कैसे ट्रैक किया : वैज्ञानिकों को दर्ज की गई रेडियो लोकेशन्स में से सिर्फ 23 जगहों पर यानी 17.7% मामलों में ही ये सांप बिना किसी रुकावट के दिखाई दिए। ये नतीजे बताते हैं कि इन जानवरों का छिपा रहना और सिर्फ धूप सेंकने के लिए ही बाहर आना क्यों मायने रखता है।

सिर्फ 17.7% बार ही इंसानी नजरों के सामने आए

शोधकर्ताओं ने कम से कम 50 एफेबोपस मुरिनस प्रजातियों से संबंधित 180 ऑब्जर्वेशन दर्ज किए जिनमें से 130 रिकॉर्ड टेलीमेट्री ट्रैकिंग द्वारा प्राप्त किए गए, जो कुल का 72.2% है। क्षेत्र कार्य में नदियों, धाराओं, ऑक्सबो झीलों और अगुआजलों सहित विभिन्न प्रकार के जलीय वातावरण शामिल थे। अगुआजल एक आर्द्रभूमि है जिसमें अगुआज ताड़ के पेड़ प्रमुख होते हैं जिन्हें वैज्ञानिक रूप से मॉरिटिया फ्लेक्सुओसा के नाम से जाना जाता है। टैग किए गए साँपों को लॉस एमिगोस, लास पिएड्रास और माद्रे डी डियोस नदियों के किनारे ट्रैक किया गया।

गुजरात का अनोखा गांव, 1000 साल से रह रहे अफ्रीकी मूल के लोग



गांधीनगर। गुजरात के गिर सोमनाथ जिले में बसा जाम्बुर गांव पहली नजर में आश्चर्य से भर देगा। यहां रहने वाले लोग दिखने में बिल्कुल अफ्रीकी मूल के हैं, लेकिन ठेठ गुजराती या साफ हिंदी में बात करते हैं। इनके नस-नस में अफ्रीका बहता है, लेकिन दिल पूरी तरह हिंदुस्तानी है। हम बात कर रहे हैं 'सिद्दी' समुदाय की। सदियों पहले अफ्रीका से आकर भारत को अपना आशियाना बनाने वाला यह अल्पसंख्यक समुदाय आज हमारी विविधता का एक खूबसूरत हिस्सा है। उन्होंने अपनी अफ्रीकी 'बांटू' जड़ों को समेटे हुए भारतीय संस्कृति को ऐसे गले लगाया है, जैसे दूध में चीनी मिल जाती है। स्थानीय लोग बताते कि लगभग 1000 साल पहले जूनागढ़ के नवाब उनके पूर्वजों को अफ्रीका (युगांडा) से जहाज में काम करने के लिए यहां लाए थे। जब महल का काम पूरा हो गया, तो नवाब ने उन्हें यहीं जमीन देकर बसा दिया। शुरुआत में वे अपनी अफ्रीकी भाषा बोलते थे, लेकिन धीरे-धीरे वक्त के साथ वे गुजराती रंग में ऐसे रंगे कि अब उन्हें अपने अफ्रीकी अतीत या वहां की संस्कृति के बारे में कुछ खास याद नहीं है। इतिहासकारों का मानना है कि सिद्दी मुख्य रूप से अफ्रीका के बांटू समुदाय के वंशज हैं। वे पुर्तगालियों के जरिए गुलाम या बंधुआ मजदूर के रूप में हिंद महासागर के रास्ते भारत पहुंचे थे। गुजरात जनजातीय अनुसंधान और प्रशिक्षण संस्थान के मुताबिक, पुर्तगाली उन्हें 17वीं सदी के अंत में भारत लाए थे। वहीं कुछ शोधकर्ता मानते हैं कि वे 15वीं सदी के मध्य में ही भारत आ गए थे। उनके सफर की यह दास्तान आज भी लोकगीतों और इतिहास के पन्नों में जिंदा है।

गुजरात से कर्नाटक तक का सफर

आज सिद्दी समुदाय मुख्य रूप से गुजरात, महाराष्ट्र और कर्नाटक में बसा है। गुजरात के सिद्दी ज्यादातर मुस्लिम हैं, जबकि कर्नाटक में रहने वाले सिद्दी हिंदू धर्म का पालन करते हैं। गुजरात के जूनागढ़ में इनकी सबसे घनी आबादी है। यहां के सिद्दी गुजराती और हिंदी सहजता से बोलते हैं। पहनावे से लेकर कांच और चांदी की चूड़ियों के श्रृंगार तक, सब कुछ स्थानीय रंग में रंगा है। लेकिन, उत्सव के मौकों पर इनका पारंपरिक 'धमाल' संगीत और नृत्य इनकी अफ्रीकी विरासत की गूंज आज भी सुना देता है।

अनुसूचित जनजाति का मिला दर्जा

यहां के लोग पूरी तरह गुजराती खाना जैसे बाजरे की रोटी और बैंगन-आलू की सब्जी खाते हैं। रोजी-रोटी के लिए ये लोग आज भी अपना पारंपरिक अफ्रीकी लोक नृत्य करते हैं, जिसे स्थानीय भाषा में 'धमाल' कहा जाता है। साल 2003 सिद्दी समुदाय के लिए एक मील का पत्थर साबित हुआ, जब गुजरात में इन्हें 'अनुसूचित जनजाति' का दर्जा मिला। इसके बाद शिक्षा, सरकारी नौकरियों और आर्थिक मदद के रास्ते खुले। विकास की असल तस्वीर जमीन पर दिखती है। जाम्बुर गांव के एक स्थानीय निवासी बताते हैं, 'हमारे गांव में बिजली, पानी और राशन की अब कोई किल्लत नहीं है।'

सुरक्षा छात्रों की सुरक्षा के लिए इंतजाम

हॉस्टल में लगे एंटी-सुसाइड फैन, 10 किलो से ज्यादा वजन पड़ते ही आ जाएंगे नीचे

गांधीनगर। देश के कई शिक्षण संस्थानों में छात्रों की आत्महत्या के मामले सामने आने के बाद उनकी सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ रही है। पढ़ाई का दबाव, परीक्षा की चिंता और निजी परेशानियां कई बार छात्रों के लिए मुश्किलें खड़ी कर देती हैं। ऐसे में हॉस्टल में रहने वाले छात्रों की सुरक्षा को लेकर गुजरात की एक यूनिवर्सिटी का वीडियो सोशल मीडिया पर चर्चा में है। इस वीडियो में हॉस्टल के कमरों में खास तरह के पंखे लगे दिखाई दे रहे हैं, जिन्हें एंटी-सुसाइड फैन कहा जा रहा है। तो आइए जानते हैं कि वीडियो में क्या दिखाया गया है।



सिर्फ पंखे बदलने से कैसे दूर होगी समस्या?

छात्रों की सुरक्षा के लिए हॉस्टल में इस तरह के इंतजाम जरूरी हो सकते हैं, लेकिन मानसिक परेशानी से जूझ रहे छात्रों की मदद करना भी उतना ही अहम है। पढ़ाई, परीक्षा और भविष्य की चिंता के बीच कई छात्र अपनी परेशानी किसी से साझा नहीं कर पाते। ऐसे में कॉलेजों में काउंसलिंग, समय पर मदद और भरोसेमंद बातचीत की व्यवस्था होनी चाहिए।

हॉस्टल में कैसे काम करते हैं ये खास पंखे?

वायरल वीडियो में दिख रहा पंखा सामान्य पंखे से अलग नजर आता है। इसे छत से जोड़ने के लिए स्प्रिंग सिस्टम का इस्तेमाल किया गया दिखाई देता है। वीडियो में व्यक्ति जैसे ही पंखे को नीचे खींचता है, वह छत से नीचे आ जाता है। इस तरह की व्यवस्था का मकसद ज्यादा भार पड़ने की स्थिति में खतरे को कम करना बताया जा रहा है। हालांकि, केवल वीडियो देखकर इस पंखे की पूरी तकनीक और सुरक्षा की गारंटी के बारे में कुछ कहना सही नहीं होगा। इसके लिए पंखे की बनावट, उसकी जांच और इस्तेमाल से जुड़ी जानकारी होना जरूरी है।

अमरकंटक के जंगल में 9,535 साल वृक्षों की कटाई को मंजूरी, जिम्मेदार कौन?

करीब 40 लाख साल वृक्षों वाले वन क्षेत्र में 22 हजार वृक्ष प्रभावित होने का आकलन







डिंडोरी सहित दो क्षेत्रों में 1,56,319 वृक्षों की कटाई की अनुमति, संबंधी आंकड़ों ने खड़े किए सवाल साल बोरर से बचाव के नाम पर कटाई की वैज्ञानिकता स्वस्थ वृक्षों की सुरक्षा और वन विभाग की जवाबदेही पर उठी चिंता जनप्रतिनिधियों और पर्यावरण प्रेमियों से हस्तक्षेप की मांग

अनूपपुर/अमरकंटक। धार्मिक, प्राकृतिक और पर्यावरणीय दृष्टि से महत्वपूर्ण अमरकंटक के जंगलों में साल वृक्षों की कटाई का मामला अब गंभीर सवालों के घेरे में है। साल बोरर कीट से प्रभावित वृक्षों को हटाकर वन संपदा बचाने की दलील दी जा रही है, लेकिन कटाई की अनुमति से जुड़े आंकड़े सामने आने के बाद यह जानना जरूरी हो गया है कि आखिर कितने वृक्ष प्रभावित पाए गए, कितने वृक्षों को काटने की स्वीकृति दी गई और इस पूरी कार्रवाई का वैज्ञानिक आधार क्या है? जंगलों को बचाने के नाम पर हजारों वृक्षों को हटाने की प्रक्रिया में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करना वन विभाग की जिम्मेदारी है। बीते अगस्त महीने में इंदिरा गांधी राष्ट्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय, अमरकंटक में मध्य प्रदेश वन विभाग द्वारा साल बोरर कीट के नियंत्रण को लेकर प्रदेश स्तरीय कार्यशाला आयोजित की गई थी। कार्यशाला का उद्देश्य साल वृक्षों को प्रभावित करने वाले कीट से निपटने के उपायों पर चर्चा करना था। इसके बाद प्रभावित वृक्षों को हटाने की कार्रवाई को लेकर वन संरक्षण की रणनीति और उसके संभावित पर्यावरणीय प्रभावों पर सवाल उठने लगे हैं।

40 लाख वृक्षों में 22 हजार प्रभावित होने का आकलन

जुलाई 2026 में प्रकाशित एक रिपोर्ट में वन विभाग के आकलन के हवाले से अमरकंटक वन क्षेत्र में लगभग 40 लाख साल वृक्षों में से करीब 22 हजार वृक्षों के प्रभावित होने का उल्लेख किया गया था। वहीं, सितंबर 2026 में प्रकाशित रिपोर्टों के अनुसार, अमरकंटक क्षेत्र में साल बोरर से प्रभावित 9,535 वृक्षों को काटने की अनुमति दिए जाने की जानकारी सामने आई। इससे पहले 5,157.34 हेक्टेयर वन क्षेत्र का सर्वेक्षण किए जाने की बात भी रिपोर्टों में सामने आई थी। इन आंकड़ों के बीच प्रभावित वृक्षों और कटाई के लिए स्वीकृत वृक्षों की संख्या में अंतर को समझना आवश्यक है। यदि करीब 22 हजार वृक्ष प्रभावित पाए गए थे और 9,535 वृक्षों को काटने की अनुमति दी गई, तो सवाल उठता है कि वृक्षों के चयन के लिए कौन-से वैज्ञानिक मानक अपनाए गए? क्या प्रत्येक वृक्ष की स्थिति का परीक्षण किया गया और क्या यह सुनिश्चित किया गया कि कटाई केवल उन्हीं वृक्षों की हो, जिन्हें हटाना जरूरी है? यह स्पष्ट करना भी जरूरी है कि प्रभावित पाए गए सभी वृक्षों को काटना आवश्यक था या कुछ वृक्षों को उपचार और अन्य वैज्ञानिक उपायों से बचाया जा सकता था। इन सवालों के जवाब के लिए सर्वेक्षण रिपोर्ट और कटाई की स्वीकृति से संबंधित दस्तावेजों का सार्वजनिक होना जरूरी है।

डिंडोरी और अमरकंटक में 1,56,319 वृक्षों की कटाई की अनुमति

साल वृक्षों की कटाई का मामला केवल अमरकंटक तक सीमित नहीं है। प्रकाशित रिपोर्टों के अनुसार, पड़ोसी डिंडोरी जिले में 1,46,784 साल वृक्षों को काटने की अनुमति दिए जाने का उल्लेख किया गया है। अमरकंटक क्षेत्र के 9,535 वृक्षों की अनुमति संबंधी आंकड़े को जोड़ने पर दोनों क्षेत्रों का कुल आंकड़ा 1,56,319 वृक्ष हो जाता है। 1,56,319 वृक्षों का यह संयुक्त आंकड़ा वन प्रबंधन की व्यापकता को रेखांकित करता है। हालांकि, यह अनुमति संबंधी रिपोर्टों पर आधारित कुल संख्या है, वास्तविक कटाई का प्रमाणित आंकड़ा नहीं। दोनों क्षेत्रों में कितने वृक्षों को काटने की स्वीकृति मिली, कितने वृक्ष वास्तव में काटे गए और कितने वृक्ष अभी सुरक्षित हैं, इसका अलग-अलग विवरण सामने आना चाहिए। इतनी बड़ी संख्या में वृक्षों को हटाने की अनुमति के मामले में वैज्ञानिक आधार, निगरानी व्यवस्था और कटाई के बाद वन क्षेत्र की स्थिति का मूल्यांकन महत्वपूर्ण हो जाता है। केवल प्रभावित वृक्षों की पहचान पर्याप्त नहीं है, बल्कि यह भी देखना जरूरी है कि उन्हें हटाने से वन पारिस्थितिकी पर क्या प्रभाव पड़ेगा।

कीट से बचाव के नाम पर स्वस्थ वृक्षों को तो नुकसान नहीं?

साल वृक्ष अमरकंटक के जंगलों की प्राकृतिक पहचान हैं। ये वृक्ष वन्य जीवों के आवास, जैव विविधता और वन पारिस्थितिकी के संतुलन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। ऐसे में साल बोरर से प्रभावित वृक्षों को हटाने की कार्रवाई के दौरान संक्रमित, कमजोर और स्वस्थ वृक्षों के बीच स्पष्ट अंतर करना आवश्यक है। वन विभाग का तर्क है कि प्रभावित वृक्षों को हटाकर अन्य वृक्षों को बचाने का प्रयास किया जा रहा है। लेकिन इस कार्रवाई की सफलता का आकलन वैज्ञानिक तथ्यों के आधार पर ही किया जा सकता है। सवाल यह है कि वृक्षों के चयन की प्रक्रिया की निगरानी किसने की, कटाई के दौरान निर्धारित मानकों का पालन कैसे सुनिश्चित किया गया और क्या किसी स्वतंत्र विशेषज्ञ संस्था से इसका मूल्यांकन कराया गया? यदि जंगल को बचाने के लिए वृक्षों को हटाना जरूरी है, तो इस निर्णय का वैज्ञानिक आधार सार्वजनिक होना चाहिए। साथ ही कटाई के बाद नए पौधों के विकास, प्राकृतिक पुनरुत्पत्ति और जैव विविधता पर पड़ने वाले प्रभावों की निगरानी की व्यवस्था भी स्पष्ट की जानी चाहिए।

वन संरक्षण की जिम्मेदारी किसकी?

अमरकंटक जैसे संवेदनशील प्राकृतिक क्षेत्र में वन संपदा की रक्षा केवल वन विभाग की औपचारिक जिम्मेदारी तक सीमित नहीं रह सकती। क्षेत्रीय जनप्रतिनिधियों, सामाजिक संगठनों, पर्यावरण प्रेमियों और वन विशेषज्ञों को भी इस मुद्दे पर गंभीरता से ध्यान देने की जरूरत है। यदि वन संपदा के संरक्षण के नाम पर बड़े पैमाने पर कटाई की जा रही है, तो उसकी निष्पक्ष समीक्षा और वैज्ञानिक मूल्यांकन की मांग उठनी चाहिए। वन विभाग को स्पष्ट करना चाहिए कि अमरकंटक क्षेत्र में साल बोरर से प्रभावित वृक्षों की पहचान किन मानकों के आधार पर की गई, कटाई की अनुमति किस स्तर पर दी गई, वास्तविक कटाई की स्थिति क्या है और शेष वन संपदा को सुरक्षित रखने के लिए क्या कदम उठाए जा रहे हैं। साथ ही डिंडोरी और अमरकंटक के आंकड़ों का अलग-अलग सत्यापित विवरण सार्वजनिक किया जाना चाहिए, ताकि अनुमति और वास्तविक कटाई के बीच की स्थिति स्पष्ट हो सके। साल बोरर कीट से जंगलों को खतरा हो सकता है, लेकिन उसके नियंत्रण के नाम पर होने वाली कार्रवाई भी सवालों से परे नहीं हो सकती। अमरकंटक की प्राकृतिक विरासत को बचाने के लिए जरूरी है कि वन संरक्षण के प्रत्येक निर्णय में वैज्ञानिक प्रमाण, पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित हो। आखिर जंगल बचाने के लिए कितने वृक्षों को हटाना जरूरी है और इस कार्रवाई से वन संपदा को कितना लाभ मिल रहा है, इसका जवाब विभागीय आंकड़ों, स्वतंत्र वैज्ञानिक मूल्यांकन और सार्वजनिक समीक्षा से ही मिल सकेगा।

बुजुर्ग विधवा की संदेहास्पद मौत और दोहरा मापदंड

शहडोल। संभागीय मुख्यालय के पुरानी बस्ती क्षेत्र में रेलवे के सेवानिवृत्त लोको पायलट स्वर्गीय देवी सिंह की 75 वर्षीय निस्संतान विधवा पत्नी शांति बाई की संदेहास्पद मौत और संपत्ति के कथित फर्जीवाड़े का मामला अब तूल पकड़ता जा रहा है। इस पूरे प्रकरण में शकीला और सबीर खान की भूमिका पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। परिजनों ने आरोप लगाया है कि मृतका की देखरेख की आड़ में इन दोनों ने न सिर्फ करोड़ों की अचल संपत्ति और मोटी पेंशन हड़पने का ताना-बाना बुना, बल्कि अब प्रशासनिक कार्रवाई के दौरान भी दोहरे मापदंड के जरिए असली हकदारों को बेदखल करने का खेल-खेला जा रहा है।परिजनों देवरानी श्रीमती सुशीला हरी सिंह और पुत्रवधू श्रीमती हरून्ना विक्रम सिंह द्वारा उठाए गए बिंदुओं के मुताबिक, स्वर्गीय देवी सिंह की करोड़ों रुपए मूल्य की अचल संपत्ति और हर साल मिलने वाली करीब 5 लाख रुपए की पेंशन पर कब्जा जमाने के लिए शातिर साजिश रची गई। आरोप है कि बुजुर्ग और अनपढ़ शांति बाई के अकेलेपन का फायदा उठाकर शकीला और सबीर ने उनकी देखभाल के नाम पर हर साल लगभग 4,48,000 रुपए वसूले। पिछले 17 वर्षों के कथित वसीयतनामे और भुगतानों को आधार माना जाए तो इन लोगों ने बुजुर्ग महिला से करीब 81 लाख रुपए ऐंठे, जो सेवा कम और सुनियोजित ठगी ज्यादा लगती है। शांति बाई के जिस घर में वे रहती थीं, उसके ठीक बगल के कमरे में शकीला और सबीर का डेरा था। आरोप है कि इसी नजदीकी का फायदा उठाकर बुजुर्ग महिला को एक तरह से कैद में रखा गया । मृतका के परिजनों को तो घर के अंदर कार्यक्रम या ठहरने के लिए शनिवार शाम तक की बेहद सीमित मियाद (समय-सीमा) दी गई, जबकि शकीला और सबीर पर प्रशासन की ऐसी कोई सख्ती नहीं दिखाई दी। परिजनों का सवाल है कि जो शकीला और सबीर मृतका के खून के रिश्तेदार नहीं हैं, वे उस भवन में आराम से जमे रह सकते हैं, लेकिन मृतका के अपने सगे परिजनों सुशीला हरी सिंह और हरून्ना विक्रम सिंह के ठहरने के लिए मियाद क्यों तय की गई?

स्वास्थ्य विभाग में फिर हड़कम्प

एक सप्ताह में तीन आदिवासी बच्चों की मौत!

हरिभूमि न्यूज बालाघाट।

बालाघाट जिले के बैहर क्षेत्र में एक सप्ताह के भीतर 3 आदिवासी बच्चों की मौत हो गई। इनमें से 2 बच्चों ने रविवार को दम तोड़ा, जबकि एक बच्चे की मौत 22 अक्टूबर को हुई थी। मृतकों में बिरसा विकासखंड के खैरटोला की 3 साल की रेखा और सोनगुड्डा के सुंदरवाही का 2 महीने का शिवम उइके शामिल हैं। रेखा की मौत का कारण स्पष्ट नहीं है, जबकि शिवम की मौत श्वास नली में दूध जाने से होने की आशंका जताई गई है।

इससे पहले 22 अक्टूबर को मातला निवासी 1 साल 4 महीने



के बिसरू परते की मौत हुई थी। स्वास्थ्य विभाग के मुताबिक, उसकी मौत मलेरिया से हुई है, हालांकि सैंपल रिपोर्ट आना बाकी है। सीएमएचओ डॉ. शत्रुघन सिंह दाहिया ने तीनों बच्चों की मौत के मामलों में बाल मृत्यु समीक्षा कराने की बात कही है। बैहर के आदिवासी इलाकों में जून से ही बच्चों की मौतों के मामले सामने आ रहे हैं। इनकी वजह खसरा, मलेरिया, कुपोषण और चर्मरोग जैसी बीमारियां बताई जा रही हैं। मातला के कुछ बीमार बच्चों का लांजी अस्पताल में इलाज चल रहा है। सीएमएचओ डॉ. दाहिया के मुताबिक, स्तनपान के बाद छोटे बच्चे को डकार दिलाना जरूरी है। कई बार बच्चा दूध पीने के बाद मुंह में दूध रखे रहता है। सोते समय यह दूध भोजन नली से वापस आकर श्वास नली में जा सकता है। इससे सांस लेने में परेशानी हो सकती है।

कुएं में डूबने से पति-पत्नी की मौत, गांव में पसरा मातम

बालाघाट। ग्राम सीताडोंगरी के वार्ड क्रमांक 5 में घर के पीछे आंगन में बने कुएं में डूबने से पति-पत्नी की दर्दनाक मौत हो गई। घटना के बाद गांव में शोक का माहौल है। जानकारी के अनुसार, मृतका कांति बाई उइके (48) घर के पीछे स्थित कुएं से पानी लेने गई थीं। इसी दौरान अचानक पैर फिसलने से वह कुएं में गिर गईं। पत्नी को बचाने के लिए उनका पति अंजोर सिंह उइके उम्र (52) भी कुएं में उतर गए। इस दौरान दोनों की पानी में डूबने से मौत हो गई।बताया गया कि दंपती कृषि मजदूरी कर परिवार का भरण-पोषण करते थे। उनके पांच बच्चे हैं, जिनमें दो बेटियां और तीन बेटे शामिल हैं। दोनों बेटियों और एक बेटे की शादी हो चुकी है। परिवार के चार बच्चे मजदूरी के लिए नागपुर गए हुए हैं।

12 वर्षीय बेटी ने दी वीर सपूत को मुखाग्नि नम आंखों से सैनिक सम्मान के साथ दी गई

बीएसएफ जवान को अंतिम विदाई



हरिभूमि न्यूज ⏭ पांढुर्णा

देश की रक्षा में समर्पित सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के जवान नरेंद्र सौदागर के असामयिक निधन से पांढुर्णा में शोक की लहर दौड़ गई है। मथुरा में पदस्थ जवान नरेंद्र सौदागर बीमारी के चलते नागपुर के मिलिट्री हॉस्पिटल में उपचाराधीन थे, जहां उन्होंने बीती



रात अंतिम सांस ली। रविवार को उनका पार्थिव शरीर तिरंगे में लिपटकर उनके पैतृक निवास जवाहर वार्ड, पांढुर्णा पहुंचा, जहां गमगीन माहौल में उन्हें अंतिम विदाई दी गई।

सैन्य सम्मान के साथ हुआ अंतिम संस्कार

स्थानीय मोक्षधाम में बीएसएफ के सहकर्मी जवानों और पुलिस अधिकारियों की उपस्थिति में पूरे सैन्य सम्मान के साथ उनका अंतिम संस्कार संपन्न हुआ। इस हृदयविदारक और भावुक क्षण में उनकी पत्नी कल्पना और 12 वर्षीय पुत्री निकिता सहित पूरा शहर मौजूद रहा। अपने पिता की पार्थिव देह को अंतिम विदाई देते हुए 12 वर्षीय बेटी निकिता ने उन्हें मुखाग्नि दी। इस मार्मिक दृश्य को देखकर वहां मौजूद हर शख्स की आंखें नम हो गईं। देश के लिए समर्पित एक वीर सपूत की इस अंतिम विदाई ने पूरे क्षेत्र को झकझोर कर रख दिया है।

नौकरी के नाम पर 9 लाख की ठगी!

हरिभूमि न्यूज कटंगी।

नौकरी लगाने का झांसा देकर बेरोजगार युवक के पिता से 9 लाख रुपये हड़पने वाले शातिर ठग को आखिरकार कटंगी पुलिस ने मध्यप्रदेश की राजधानी भोपाल से धर दबोचा। पुलिस ने आरोपी को रविवार सुबह कटंगी लाकर न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे न्यायिक अभिरक्षा में उपजेल वारासिवनी भेज दिया गया है।

पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार प्रार्थी योगेन्द्र मिश्रा निवासी कटंगी ने थाना में लिखित शिकायत दर्ज कराई थी कि आकाश पिता नारायण सिंह ठाकुर उम्र 32 वर्ष निवासी सिवनी हाल मुकाम भोपाल ने उसे अच्छी नौकरी लगवाने का झांसा दिया। आरोपी ने खुद की ऊंची पहुंच और अधिकारियों से जान-पहचान होने का रौब दिखाकर प्रार्थी से कुल 9 लाख रुपये ऐंठ लिए। जब काफी समय बीतने के बाद भी न तो नौकरी लगी और न ही पैसे वापस मिले, तो प्रार्थी को अपने साथ धोखाधड़ी होने का एहसास हुआ। प्रार्थी की शिकायत पर कटंगी पुलिस ने अपराध दर्ज कर भारतीय न्याय संहिता की सुसंगत धाराओं में मामला पंजीबद्ध किया। आरोपी की गिरफ्तारी के लिए पुलिस अधीक्षक बालाघाट, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक के निर्देशन और एसडीओपी कटंगी विवेक शर्मा के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी कटंगी धमेन्द्र कुसराम के नेतृत्व में एक विशेष टीम का गठन किया गया। पुलिस को सूचना मिली कि आरोपी भोपाल में है। सूचना मिलते ही टीम ने भोपाल में दबिश दी और बड़ी ही चतुराई से आरोपी आकाश ठाकुर को गिरफ्तार कर लिया। रविवार सुबह पुलिस टीम उसे लेकर कटंगी पहुंची। थाने में कागजी कार्रवाई पूर्ण करने के बाद उसे माननीय न्यायालय के समक्ष पेश किया गया, जहां से न्यायालय ने उसे जेल भेजने के आदेश दिए। पुलिस ने आरोपी के विरुद्ध अपराध पंजीबद्ध किया है।

बाघों के पहरेदारों के घरों में आई भुखमरी की नौबत

मानपुर।

बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व में बाघों, वन्यजीवों और बेशकीमती वन संपदा की सुरक्षा में अपनी जान जोखिम में डालने वाले वन श्रमिकों का सब्र अब जवाब दे चुका है। जंगल के रखवालों के ही घरों में इन दिनों चूल्हा जलने के लाले पड़े हैं। बांधवगढ़ ट्रेड यूनियन के अध्यक्ष संतराम सिंह के खुलासे ने पार्क प्रबंधन की कार्यप्रणाली पर गंभीर और तीखे सवाल खड़े कर दिए हैं। पनपथा, पतौर, मानपुर, कल्लवाह, धमोखर और खितौली जैसी तमाम रेंजों में पसीना बहाने वाले इन मैदानी श्रमिकों को पिछले दो से तीन महीनों से वेतन का एक पाई तक नसीब नहीं हुई है। नतीजतन, पर्वों का यह सीजन इन परिवारों के लिए मातम और लाचारी बनकर आया है।

जोखिम भरा काम, पर महीनों से वेतन गायब

जंगल के भीतर हिंसक वन्यजीवों के बीच रहकर गश्त करने और तस्करों के नापाक मंसूबों को नाकाम करने वाले इन श्रमिकों का शोषण चरम पर है। यूनियन अध्यक्ष संतराम सिंह ने आरोप लगाया है कि कुशल श्रमिकों को बमुश्किल 15 हजार और अकुशल श्रमिकों को 10,500 रुपए मासिक मानदेय मिलता है। विडंबना



यह है कि इनसे साप्ताहिक अवकाश के दिन यानी रविवार को भी जबरन ड्यूटी ली जाती है, लेकिन जब मेहनताने के भुगतान की बारी आती है, तो पार्क प्रबंधन के कान पर जूं तक नहीं रेंगती। महीनों का वेतन रोककर सिर्फ एक महीने का भुगतान थमाने की यह अमानवीय व्यवस्था आखिर किसकी शह पर चल रही है?

जान गंवाने वाले श्रमिक का हक भी दबा बैठा प्रबंधन

विभाग की संवेदनहीनता की इंतहा यहीं खत्म नहीं होती। मानपुर रेंज के कठई सर्कल में सेवा देने वाले श्रमिक विवेक बैगा ड्यूटी के दौरान गंभीर हादसे का शिकार होकर अपनी आंख गंवा बैठे, लेकिन विभाग ने इलाज के नाम पर उन्हें भगवान भरोसे छोड़ दिया। इतना ही नहीं, उनका तीन महीने का वेतन भी आज तक अटका हुआ है। इससे भी दर्दनाक वाकया धमोखर रेंज के धौरखोह बैरियर पर तैनात रहे श्रमिक बल्लू चौधरी का है। बीमारी के चलते कुछ दिन पहले उनकी मौत हो गई। परिजनों का साफ आरोप है कि समय पर वेतन न मिलने और आर्थिक तंगी के कारण वे बल्लू का सही इलाज तक नहीं करा सके। अब मौत के बाद भी उनके हक का तीन महीने का बकाया वेतन उनके परिजनों को नहीं दिया गया है। क्या पार्क प्रबंधन इन गरीब परिवारों की बर्बादी का तमाशा देख रहा है?

प्रबंधन ने साधी चुप्पी, जिम्मेदार कौन

एक तरफ जहां टाइगर रिजर्व के सैलानियों और वीआईपी दौरों पर पानी की तरह पैसा बहाया जाता है, वहीं धरातल पर जान की बाजी लगाकर जंगल बचाने वाले ये श्रमिक पाई-पाई को मोहताज हैं। इस पूरे गंभीर मामले पर जब बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व के क्षेत्र संचालक और उपसंचालक से उनका पक्ष जानने के लिए संपर्क किया गया, तो दोनों ने फोन उठाना तक मुनासिब नहीं समझा। अधिकारियों की यह चुप्पी उनकी मिलीभगत और असंवेदनशीलता को साफ जाहिर करती है। यूनियन ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द ही सभी श्रमिकों के लंबित वेतन का शत-प्रतिशत भुगतान, उचित चिकित्सीय सहायता और नियमानुसार अवकाश सुनिश्चित नहीं किया गया, तो उग्र आंदोलन का रास्ता अपनाया जाएगा। बाघों के जंगल की रखवाली करने वालों का भविष्य अंधेरे में धकेलने वाले इन जिम्मेदार अधिकारियों पर गाज कब गिरेगी, यह देखने वाली बात होगी।

इंस्टाग्राम से शुरू हुई थी पहचान अश्लील वीडियो वायरल कर तुड़वाई शादी

बहनों को भी धमकाया, महिला थाने में जीरो एफआईआर

शहडोल। जिले के बुढ़ार थाना क्षेत्र की 23 वर्षीय युवती ने केशवाही क्षेत्र के युवक कनिष्क सिंह उर्फ छोटू पर शादी का झांसा देकर शारीरिक संबंध बनाने, अश्लील वीडियो बनाने और बाद में शादी से इनकार करने के गंभीर आरोप लगाए हैं। युवती का यह भी आरोप है कि शिकायत दर्ज कराने के बाद आरोपी और उसके परिजन उसे तथा उसके परिवार को धमका रहे हैं। उसे घर से बाहर निकलने पर गोली मारने की धमकी दी गई है। युवती का दावा है कि धमकियों के कारण उसका परिवार दहशत में है और वह घर से बाहर निकलने में भी डर रही है। युवती की शिकायत पर 12 अक्टूबर 2026 को शहडोल महिला थाने में जीरो एफआईआर दर्ज की गई। एफआईआर में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 69 का उल्लेख है। क्षेत्राधिकार के आधार पर मामला बुढ़ार थाने को भेजा गया है, जहां पुलिस जांच कर रही है। युवती के अनुसार, उसने न्यायालय में भी अपने बयान दर्ज कराए हैं। एफआईआर में दर्ज शिकायत के अनुसार, युवती की पहचान वर्ष 2023 में इंस्टाग्राम के माध्यम से कनिष्क सिंह से हुई थी। जनवरी 2024 से दोनों के बीच बातचीत और प्रेम संबंध शुरू हुए। युवती का आरोप है कि युवक ने उससे शादी करने का वादा किया था। इसी भरोसे के कारण दोनों के बीच नजदीकियां बढ़ीं और युवक ने कई बार उसके साथ शारीरिक संबंध बनाए। युवती ने शिकायत में बताया कि 29 अक्टूबर 2024 को युवक उसे ग्राम कुनहरी में प्रेमलाल शर्मा उर्फ बाबू शर्मा के खाली पड़े बाड़े में ले गया था। वहां शादी का भरोसा देकर शारीरिक संबंध बनाने का आरोप लगाया गया है। युवती के मुताबिक, इसके बाद भी कई बार दोनों के बीच संबंध बने। उसका आरोप है कि युवक शादी की बात कहकर संबंध बनाता रहा, लेकिन बाद में शादी से मुकर गया।